



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ५] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी २९, १९७७ (माघ ९, १८९८)

No. ५] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 29, 1977 (MAGHA ९, १८९८)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महासेक्षापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक ११ जनवरी १९७७

सं० ओ० ११-७१३/६९-स्थापना—डाक्टर ए० के० बेनर्जी ने स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) नई दिल्ली में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप २०-१२-१९७६ के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के जी० ई० ओ० प्रेड १ के पद का कार्यभार छोड़ा।

दिनांक २२ जनवरी १९७७

सं० ११-१०४८/७६-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर चौधरी केशोरोद चन्द्रा दास की, २२-११-७६ के पूर्वाह्न केवल ३ मास के लिये, अपवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय

रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर सदर्श रूप में नियुक्त किया गया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक प्रशासन

भारत के महापंजीकर का कार्यालय
नई दिल्ली-११००११, दिनांक १० जनवरी १९७७

सं० ११/४/७६-प्रशा० १—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश में जन-गणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक, श्री एम० सी० पड़ालिया को तारीख ३ जनवरी, १९७७ से तारीख २८ फरवरी, १९७७ तक या अगले आदेशों तक, जो भी समय पहले हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थे आधार पर सहायक निदेशक, जन गणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पड़ालिया का मुख्यालय लखनऊ में होगा

बद्री नाथ
भारत के उप महापंजीकार और पदेन उप सचिव

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नामिक रोड, दिनांक 5 जनवरी 1977

सं० 1501/ए०—दिनांक 22 सितम्बर, 1976 के क्रम में श्री श्वी० व्ही० बापट को महायक टिकीट नियंत्रक के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ स्पष्ट में उन्हीं शर्तों के साथ 31-3-1977 तक नियुक्त करते हैं।

ता० राममूर्ति,
ज्येष्ठ उप महाप्रबंधक

वैक नोट मुद्रणालय

देवाप, दिनांक 5 जनवरी 1977

फ० मं० बी०ग्न०पी०/सी०/72/74—इस कार्यालय की समस्या वाली अधिसूचना दिनांक 14-9-1976 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आए श्री आर० व्ही० के० चारी, महायक डर्जी-नियर (मिलिट) की नियुक्ति दिनांक 1-2-1977 से 6 माह की अवधि तक वैक नोट मुद्रणालय में मानक प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर निरन्तर की जाती है।

पद क्रमांक बी०ग्न०पी०/ई०/8/एम०/8—इस कार्यालय की दिनांक 12-10-76 की सभ संख्यक अधिसूचना के अनुत्रम से श्री एम० के० माथुर की तदर्थ आधार पर उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति 13 जनवरी, 1977 (पूर्वाह्नि) से 3 माह की अवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले ही निरन्तर की जाती है।

डी० सी० मुखर्जी,
महाप्रबंधक

कार्यालय महालेखाकार

केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1977

प्रशासन 1/पी०एफ०/अमर दास/कार्य० आदेश/स० 50/2713—इस कार्यालय के श्री अमर दास, लेखा अधिकारी का दिनांक 15-12-1976 को निर्धन हो गया।

मदन लाल सोबती,
ज्येष्ठ उप महालेखाकार

महालेखाकार का कार्यालय, केरल, तिरुवनन्तपुरम

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 5 जनवरी 1977

सं० स्थापना/प्र० 7/9-86/जिल्द 2/260—महालेखाकार केरल, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा और लेखापरीक्षा) को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से हसी

कार्यालय में लेखा अधिकारियों के पद में स्थानापन करने के लिए अगले आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

(1) श्रीमती एल० मुख्यलक्ष्मी अम्माल—31-12-1976
पूर्वाह्नि।

(2) श्री के० जी० भारकरन नायर—31-12-1976
पूर्वाह्नि।

(3) श्री आर० रामन—31-12-1976 (पूर्वाह्नि)।

सं० स्थापना प्र०/7/9-85/जिल्द 2/260—महालेखाकार केरल, ने इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी, श्री के० वर्गीम को, जो अब केरल राज्य बिजली बोर्ड, पूर्व-जांच एकक, कुलमाद् मं अधीक्षक के पद में प्रतिनियुक्त पर है, 31-12-1976 पूर्वाह्नि से इस कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद में स्थानापन करने के लिए अगले आदेशों तक अगले निजीले नियम के अधीन नियुक्त किया है।

आर० एम० अच्यर,
उप महालेखाकार (प्र०)

तिरुवनन्तपुरम-695001, दिनांक 6 जनवरी 1977

स्थापना/हकदारी/6/10-3—महालेखाकार, केरल, के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री के० जगार्दनम कर्ता अधिवर्ष की आयु में 31 दिसम्बर, 1976 अपराह्नि को सेवा निवृत्त हो गये।

एम० पी० मिह० जैन,
महालेखाकार

मुख्य लेखा परीक्षा का कार्यालय, प०० सी० रेलवे

गुवाहाटी-11,—दिनांक 30 नवम्बर 1976

स्थायी कार्यालय आदेश सं० 73—इस कार्यालय में अधीनस्थ रेलवे लेखा सेवा में स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एन० सी० दत्त को, जो फिलहाल इतर सेवा में कोयला खान भविष्यन्ति संगठन, आमनसोल में महायक वित्त अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, श्री बी० सी० दत्त खान की नियमित पदोन्नति के फलस्वरूप (दिनांक 31-7-1976 के स्थायी कार्यालय आदेश सं० 37 के अनुमार) बाद में आदेश जारी होने तक 2-8-1976 (अपराह्नि) से 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के लेखा परीक्षा अधिकारी ग्रेड में निकटतम निम्न नियम के अन्वर्गत प्रोफार्मा पदोन्नति की मंजूरी दी गई है।

दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० ए० डी० एम० एन०/5-16/63/35-ए०—श्री एम० के० मुखर्जी, 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में स्थानापन लेखापरीक्षा अधिकारी को 6-4-1976 (पूर्वाह्नि) से उसी वेतनमान में मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० ए० डी० ए० ए० ए० / 5-16/58/63/35-ए०—इस कार्यालय के श्री ए० ए० ए० मिक्किदार को जो अधीनस्थ रेलवे नेखा परीक्षा सेवा के स्थायी मदस्य है, अगले आदेश तक स्थानापन्थ नेखा परीक्षा अधिकारी बेतनमान 840-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० में 15-12-1976 (पूर्वाह्न) से नियुक्त किया जाना है।

आर० राजगोपालन,
मुख्य नेखा परीक्षक

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आईनेन्स फैक्टरियां

डी० जी० ओ० ए० ए० मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता, दिनांक 5 जनवरी 1977

सं० 1/77/जी०—डी० जी० ओ० ए० निम्नलिखित स्थायी सहायक/स्थानापन्थ सहायक को सहायक स्टाफ अफसर (राजपत्रित वर्ग 2) के पद पर प्रत्येक के सामने दर्शायी अवधि के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री प्रभात चन्द्र नाथ—तारीख 5 दिसम्बर, 1970 से 31 मार्च, 1971 तक।
2. श्री नारायण गंगोपाध्याय—तारीख 4 मई, 1970 से 25 जुलाई, 1970 तक।

ए० पी० आर० पिलाय,
सहायक महानिदेशक, आईनेन्स फैक्टरियां

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग,
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 3 जनवरी 1977

सं० 2181 (सी० ए० ए०) (वी० ए० ए० ए०) — 19वी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित सहायक राज्यान्त्रों को खनिज सम्बन्धेण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्स्प्लोरेशन कार्पोरेशन लिमिटेड) में राज्यान्त्र के रूप में उनकी नई नियुक्ति के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से प्रत्येक के मामने दर्शायी गई नियित से भुक्त किया जा रहा है :—

1. श्री सी० ए० मुर्धी— 6-9-1976 (अपराह्न)
2. श्री वी० ए० नियोगी — 6-9-1976 (अपराह्न)

सं० 2222(बी० के०)/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विराष्ट तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री वी० कनिष्ठक जो उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतन मान में, अस्थायी क्षमता में,

आगामी आदेश होने तक, 18 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० के० ए० वरदन, महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० ए० 24012/3/76-भडार 1—निवर्तन की आयु के हो जाने पर, डा० ए० ए० के० गुहा ने 1 नवम्बर, 1976 पूर्वाह्न से सरकारी चिकित्सा भडार डिपो, बम्बई में उप सहायक महानिदेशक (च० भ०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

संगत सिंह;
उप निदेशक प्रशासन (भडार)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० ए० 31014/11/76(के० स्वा० शि० व्यूरो)/प्रशासन—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० ए० आर० मेहता श्री और श्री पी० ए० बाबा को 29 जून 1976 से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (धोकीय अध्ययन प्रदर्शन केन्द्र) के स्थायी पदों पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 23 दिसम्बर 1976

सं० पी० पी० ई० डी०/३(235)/76-प्रशासन—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक तथा नाभिकीय ईधन मम्मिश्र के स्थानापन्थ सहायक कार्मिक अधिकारी श्री ए० ए० श्रीनिवासन को उनका तबादला विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग को होने पर 15 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० वी० थाटे, प्रशासन अधिकारी

ऋग्य एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 20 दिसम्बर 1976

सं० डी० पी० ए०/११०१३/३२(ए)/76-स्थापना-परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋग्य एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के हैदराबाद

स्थित क्षेत्रीय ऋष्य एवं भंडार यूनिट के अस्थायी भंडारी श्री बी० बी० नायर को, श्री सी० सैमुअल, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 18-10-1976 के पूर्वाह्न से 11-2-1977 के अपराह्न तक 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में अस्थायी रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 दिसम्बर 1976

सं० डी०पी०एस०/ए०/11013/64/75/स्थापना—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋष्य तथा भंडार निवेशालय के निदेशक, इस निवेशालय की दिनांक 12 अक्टूबर, 1976 की समसंब्यक अधिसूचना के प्रनुक्रम में, कलकत्ता स्थित परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रून परियोजना के भंडार यूनिट में नियुक्त स्थानापन्न भंडारी श्री परारी किजावकोडन राधाकृष्णन को आगामी दो महीने, अर्थात् 28 फरवरी, 1977 तक की अवधि के लिए इसी निवेशालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो० 40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० पी० चोपड़ा, प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 6 जनवरी 1977

सं० पी० ए० आर०/18/14/30—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, दक्षिण मध्य रेलवे के वित्तीय सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी के कार्यालय के अनुभाग अधिकारियों सर्वश्री बी० दानेया तथा के० बेंकटरामन को 12-11-1976 (पूर्वाह्न) से प्रारंभ में एक वर्ष की अवधि के लिए, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पू० वासुदेव राव
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 6 जनवरी 1977

सं० ए० एम० डी० 1/11/76-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के एक सहायक लेखा अधिकारी श्री के० पी० शेखरन को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी 11 नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 3 जनवरी 1977

सं० 10/2(4)/76-सि० इ० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग, बंगलौर के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता निम्नलिखित अधिकारियों को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में इंजीनियर 'एस० बी०' के पद पर अस्थायी रूप में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्ति की तारीख
1.	श्री के० बी० हर्ष बाबू	17-11-76 (पूर्वाह्न)
2	श्री एच० एस० शंकर	18-11-76 (पूर्वाह्न)

पी० आई० य० नम्बियार,
प्रशासन अधिकारी-II
कृते मुख्य अभियन्ता

पर्यटन और नागर विभानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 10 जनवरी 1977

सं० ई० (I) 05167—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री बी० शंकरैया को 20-12-1976 के पूर्वाह्न से 31-1-77 के अपराह्न तक तितालिस दिनों की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बी० शंकरैया, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र नागपुर के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05195—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० के० दास को 4-12-1976 के पूर्वाह्न से 1-2-1977 के अपराह्न तक साठ दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दास, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगी।

दिनांक 12 जनवरी 1977

सं० ई० (I) 03740—निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय में सहायक मौसम विज्ञानी श्री डी० आर० स्वामीनाथन निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 30 नवम्बर, 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

दिनांक 13 जनवरी 1977

सं० ई० (1) 04321—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री के० एस० वी० राजगोपालन को 1-1-1977 के पूर्वाह्न से 28-2-1977 तक 59 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री राजगोपालन, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के मुख्य कार्यालय, नयी दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन, मौसम विज्ञानी कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 6 जनवरी 1977

सं० 16/256/76-स्थापना I —अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री राजकुमार शर्मा को 4 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न से ग्रागें आदेशों तक संस्थान में मुख्य चिन्नकार सहर्ष नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भटनागर, कुलसचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहृतालय

पटना, दिनांक 10 जनवरी 1977

मि० सं० 11(7) 5-स्था०/75/219—भारत सरकार, राजस्व एवं बैंकिंग विभाग, नई दिल्ली के आदेश सं० 39/76 दिनांक 28-9-1976 जो पत्र सं० ए० 22013/7/76- सी० ई० आर० सी० के द्वारा जारी किया गया है, जिसके अनुसार इस समाहृतालय के श्री सी० डी० तिवारी, प्रशासन अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद श्रेणी 'व' को स्थानापन्न मुख्य लेखा अधिकारी श्रेणी 'अ' के रूप में नियुक्त किया जाता है तथा इस कार्यालय के आदेश विनांक 12-10-1976 जो पृष्ठांकित पत्र सं० 1(8) 1-76/ 81406-525 दिनांक 13-10-1975 के अनुसार उन्होंने दिनांक 7-10-1976 को पूर्वाह्न में मुख्य लेखा अधिकारी (राजस्व) के रूप में केन्द्रीय उत्पाद, मुख्यालय कार्यालय, पटना में कार्यभार ग्रहण किया।

हरिनारायण साहू, समाहृता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1977

सं० 19/76—श्री के० बालरामन ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतालय, मद्रास में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

ग्रुप बी०, के रूप में काम कर रहे थे, निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय के मद्रास स्थित विक्री प्रादेशिक यूनिट में दिनांक 15-12-1976 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रुप बी० का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सु० वेंकटगमन, निरीक्षण निदेशक

नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक 11 जनवरी 1977

सं० 1—निम्नलिखित अधिकारियों को प्रतिद्वारा जिला अफीम अधिकारी/आसूचना अधिकारी समूह 'ख' के ग्रेड में रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द०/रो०-30-830-35-900 के वेतनमान में जो तारीख 1 जनवरी, 1973 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 यिका गया, प्रत्यक्ष के नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है:—

क्र०	नाम और पदनाम सं०	जिस तारीख से स्थायी किए गए	जिस पद के प्रति स्थायी किये गये
1	2	3	4
1.	श्री एस० के० घोषाल, प्रभागीय अफीम अधिकारी कोटा-1	1-10-1966	विस अंग्रेजी (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 24 जुलाई, 1967 के पत्र फा० सं० 7/ 3/65-ए० डी०- IV द्वारा स्वीकृत पदों में से एक पद पर।
2.	श्री एस० एस० बंसल, आसूचना अधिकारी, ग्वालियर।	18-10-1967	सेवा निष्पत्त श्री एल० एन० बुट- वाल के स्थान पर।
3.	श्री डी० डी० शर्मा आसूचना अधिकारी, ग्वालियर।	1-10-1972	विस अंग्रेजी (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 7 मई, 1974 के पत्र फा० सं० 11012/ 7/73-ए० डी०- IV द्वारा स्वीकृत पद पर।

1	2	3	4
4.	श्री बी० तीर्थ, जिला अफौम अधिकारी, चित्तौड़गढ़-1	1-10-73	वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 7 मई, 1974 के पत्र फा०
5.	श्री गोरख नाथ, अधीक्षक (कार्यालय) गाजीपुर।	1-10-73	सं० 11012/7/ 73-ए० डी०-IV द्वारा स्वीकृत पद पर।

सं० 2—निम्नलिखित अधिकारियों को एतद्वारा सहायक
मुख्य लेखा अधिकारी/प्रशासन अधिकारी, समूह 'ख' के ग्रेड में रु०
350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830
35-900 के वेतनमान में जो दिनांक 1 जनवरी, 1973 से
रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200 किया गया, प्रत्येक के नाम के सामने दरायी गई
तारीख से स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है:—

क्र०	नाम और पदनाम	जिम तारीख	जिस पद के से स्थायी किये गए
सं०			प्रति स्थायी किये गये
1.	श्री एस० क० राम, मुख्य लेखा अधिकारी	7-5-1970	वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 24 जुलाई, 1967 के पत्र फा० सं० 7/ 3/65-ए० डी०- IV द्वारा स्वीकृत पद पर।
2.	श्री ग्नार० पी० त्यागी, प्रशासन अधिकारी	1-8-1974	वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 5 अप्रैल, 1975 के पत्र फा० सं० ए०- 11012/5/74/ ए०डी०-IV द्वारा स्वीकृत पद पर।
3.	श्री क० बी० मणि, प्रशासन अधिकारी।	1-8-1975	वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के दिनांक 9 फरवरी, 1976 के पत्र फा० सं० ए०- 11012/5/ 75-प्रशा०IV द्वारा स्वीकृत पद पर।

अभिलाष शंकर, नारकोटिक्स आयुक्त

उर्जा मंत्रालय
(विद्युत् विभाग)
कार्यालय मुख्य अभियंता
लोकतक जल-विद्युत् परियोजना
कोमकारप, दिनांक 29 मई 1976

सं० सी० ई०/लोक/1/188/75/4671-84—मुख्य ईंजी-
नियर, लोकतक जल-विद्युत् परियोजना, मणिपुर, महालेखाकार,
असम, मेघालय, मिजोरम और अस्साखील प्रदेश के कार्यालय के
अनुभाग अधिकारी श्री अशित चन्द्र चक्रवर्ती को लोकतक जल-
विद्युत् परियोजना, मणिपुर के लेखा अधिकारी के रूप में 3 मार्च,
1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न हैं।

एस० एन० अग्निहोत्री, मुख्य ईंजीनियर

बद्रपुर ताप विद्युत् परियोजना

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1977

पत्र सं० बी० टी० पी०/1/103/76—श्री चमन लाल,
निरीक्षक दिल्ली पुलिस से प्रतिनियुक्ति के आधार पर बद्रपुर ताप
विद्युत् परियोजना में सुरक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान रूपये
650-30-740-35-810-रोक-35-880-40-1000-रोक-
40-1200 पर दिनांक 1-12-1976 दोपहर पहले से अग्रिम आदेश
जारी होने तक नियुक्त किये गये थे।

पत्र सं० बी० टी० पी०/1/95/76—श्री बलदेव सिंह गिल,
उपनिरीक्षक दिल्ली पुलिस से प्रतिनियुक्ति पर सहायक सुरक्षा
अधिकारी को सुरक्षा अधिकारी के पद पर, दिनांक 31-7-1976
की दोपहर बाद से वेतनमान रूपये 650-30-740-35-810-
रोक-35-880-40-1000-रोक-40-1200 पर बद्रपुर ताप
विद्युत् परियोजना में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया था।

श्री बलदेव सिंह गिल, सुरक्षा अधिकारी, बद्रपुर ताप विद्युत्
परियोजना ने इस पद का कार्यभार दिनांक 1-12-1976 दोपहर
पहले से छोड़ दिया है।

ले० रा० सूरी, मुख्य परियोजना अभियंता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1977

सं० ए०-12017/5/76-प्रशा० 5—इस आयोग की अधि-
सूचना सं० ए० 12017/5/76-प्रशा० 5 दिनांक 7-5-1976 के
क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री ए० टी० दास,
अनुसंधान सहायक (रसायन शास्त्र) को केन्द्रीय जल आयोग
में वेतनमान रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-
40-1000-द० रो०-40-1200 में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ
आधार पर पूर्वाह्न 7-10-1976 से 28-2-1977 की कालावधि
या ग्रेड के नियमित अधिकारी श्री डी० क० सुंद के उपलब्ध
होने तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक दिसम्बर 76

सं० क-19012/603/76-प्रश्ना-5—अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रमाद से श्री पी० के० गंगाधरण, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक इंजीनियर के पद पर पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रुपये के वेतनमान में नियुक्त करते हैं जो 6-10-1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक प्रभावी होगा।

श्री पी० के गंगाधरण ने अन्वेषण वृत्त सं०-1, फरीदाबाद के अधीन अण्डमान अन्वेषण उप-मण्डल सं०-1 में सहायक इंजीनियर के कार्यालय का कार्यभार उपर्युक्त दिनांक एवं अवधि से ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० क-19012/598/76-प्रश्ना० 5 अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग ने अपने प्रमाद से श्रीमती रमानी राय, पर्यवेक्षक, को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक इंजीनियर के पद पर पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में नियुक्त करते हैं जो 8-11-1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक प्रभावी होगा।

श्रीमती रमानी राय ने केन्द्रीय निस्सरण वृत्त हैदराबाद के अधीन पूर्वी गेंगिंग उप-मण्डल भुवनेश्वर में सहायक इंजीनियर के कार्यालय का कार्यभार उपर्युक्त दिनांक एवं अवधि से ग्रहण कर लिया है।

जसवंत सिंह,
अवर सचिव,
हृते अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
महाप्रबंधक का कार्यालय
(कार्मिक शास्त्रा)

पाठ्यू, दिनांक 4 जनवरी 1977

सं० ई०/५५/१११/१११/१११ भाग III (ओ०) —मिलिं इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित अववर वेतनमान वाले अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने अंकित तारीख से प्रवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है:—

क्र सं०	अधिकारियों के नाम	स्थायी होने की तारीख
1.	श्री एस० आर० चक्रवर्ती	10-3-1976
2.	श्री वाई० जी० पटवर्धन	10-3-1976
3.	श्री आर० बाल सुव्रमनियन	10-3-1976
4.	श्री एस० एच० आर० कृष्ण राव	10-3-1976
5.	श्री एस० के० गुप्ता	20-4-1976
6.	श्री पी० एल० राय चौधुरी	1-9-1976

जी० एच० केसवानी,
महा प्रबंधक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 445(2) के अधीन सूचना

कोचीन, दिनांक 31 दिसम्बर 1976

सं० 1768/लिक—कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और केनका चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० सी० पी० 1/75 में केरल में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 13-6-1975 के आदेश द्वारा कनका चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 445(2) के अधीन सूचना

कोचीन, दिनांक 31 दिसम्बर 1976

सं० 1824/लिक—कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और मलयाल गजयम प्राइवेट लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० सी० पी० 5/1976 में केरल में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 15-9-1976 के आदेश द्वारा मलयाल गजयम प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

पी० एस० आनवर,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स आटो अग्रीक्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 4 जनवरी 1977

सं० मांस्यिकी/940—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवस्थान पर मैसर्स आटो अग्रीक्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ब्वालिटी आटो प्रोडैक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 4 जनवरी 1977

सं० /मांस्यिकी/1215—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवस्थान पर मैसर्स ब्वालिटी आटो प्रोडैक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किए गए तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स मिनकारप्र प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 4 जनवरी 1977

सं० सांख्यिकी/1106—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मिनकारप्र प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किया गया, तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

रामदयाल कुरील,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और पी० आई० सी० इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 11 जनवरी 1977

सं० 5663/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पी० आई० सी० इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवाणी,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ललितकला फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 790/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ललितकला फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लब्हली चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 1850/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लब्हली चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अरुबोदय चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 1770/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अरुबोदय चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हफक डेरी फार्मिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 2059/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हफका डेरी फार्मिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और स्टेटेट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 2121/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर स्टेटेट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ड्यूरल एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 2464/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ड्यूरल एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भुवनेश्वरी ट्रेडिंग एण्ड चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 1722/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर भुवनेश्वरी ट्रेलिंग & चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भारा ट्रेइंग & सिट फल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 1697/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956
 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर भद्रा ट्रेडिंग & चिट फण्डस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 और पश्चात चिट फन्ड्स & ट्रेडिंग कंपनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 2142/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956
 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा
 यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के
 अवसान पर पश्चात चिट फॉड & ट्रेडिंग कंपनी प्राइवेट
 लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया
 गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी
 विधिविरुद्ध कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जनरल क्रेडिट कार्पोरेशन लिमिटेड के विषय में।

बंगलोर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 588/560/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसारण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जनरल ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आरिद्वा टेक्सटैल प्राइवेट
लिमिडेड के द्विषय में।

बंगलोर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 1452/560/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदवारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर आरिदा टेक्सटैल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर 2-436GI/76

से काट दिया जाएगा और और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वामना ट्रेडिंग & चिट
फल्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलोर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 1848/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एतदृष्टारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वामना ट्रेडिंग & चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विषयित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कर्नाटक स्ट्रक्चरल सप्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलोर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं 1813/560/76—कम्पनी अधिनियम, 1956
 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में
 एतदृष्टारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से
 तीन मास के अवसान पर कर्नाटक स्ट्रक्चरलस प्राइवेट
 लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया
 तो रजिस्टर से काट विद्या जाएगा और उक्त कम्पनी
 विषट्टि कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 & और व्यान्की पेंट्स & केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलोर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 1362/560/76—कम्पनी अधिनियम, 1956
 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में
 एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन
 मास के अवसान पर बयान्को पेंट्स & केमिकल्स प्राइवेट
 लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया
 तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उस कम्पनी
 विघटित कर दी जाएगी । ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जीवेल फिल्म्स कार्पोरेशन लिमिटेड के विषय में।

बंगलोर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 1427/560/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधारण पर जीवेल फिल्म्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और शांतिलाल & सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलोर, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० 1311/560/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर शांतिलाल & सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघ्नित कर दी जाएगी।

एस० एन० गुहा
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1976

आयकर

सं० जुरि-दिल्ली/4/76-77/12853—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 31-12-1976 से दिल्ली-1, नई दिल्ली प्रभार में निम्नलिखित डिस्ट्रिक्ट/सर्किल फिर से चालू किए जाएंगे।

(1) कम्पनी सर्किल-20, नई दिल्ली।

सं० जुरि-दिल्ली/76-77/13003—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के आदेशों में संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में बताए गए डिस्ट्रिक्ट/सर्किल के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेंगे:—

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-1-ए, नई दिल्ली	1. कम्पनी सर्किल-3, 12, 13, 16 तथा 20 नई दिल्ली 2. स्पेशल सर्किल-3, 4 तथा 4 (प्रतिरक्त) नई दिल्ली
	यह अधिसूचना 31-12-1976 से लागू होगी।

अवतार सिंह
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1
नई दिल्ली

आयकर आयुक्त, दिल्ली-2
नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1977

आयकर

सं० जुरि-दिल्ली/4/76-77/13155—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 3-1-1977 से दिल्ली-2 प्रभार में निम्नलिखित डिस्ट्रिक्ट/सर्किल फिर से चालू किए जाएंगे।

(1) कम्पनी सर्किल-17 तथा 18, नई दिल्ली।

जगदीश चन्द्र
आयकर आयुक्त, दिल्ली-2
नई दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-4
नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1977

आयकर

सं० जुरि-दिल्ली/4/76-77/13401—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 3-1-1977 से निम्नलिखित आयकर सर्किल बनाए जाएंगे।

“दूसरा अतिरिक्त परिवहन सर्किल, नई दिल्ली।”

सं० जुरि-दिल्ली/4/76-77/13521—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली इस कार्यालय की दिनांक 29 मई, 1976 की समय समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं० जुरि-दिल्ली/4/76-77/6601 के साथ दी गई अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करते हैं।

उक्त अनुसूची में ‘दिल्ली रेंज-3-बी तथा दूसरा अतिरिक्त परिवहन सर्किल’ नई दिल्ली के सामने कालम-2 के इकाइजों के स्थान निम्नलिखित रखे जाएंगे:—

अनुसूची

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेंज-3-बी, नई दिल्ली	दिल्ली रेंज-3 (15), 3 (16), 3 (17) आयुक्त रेंज-3-बी, नई दिल्ली अतिरिक्त, 3 (18), 3 (25), 3 (26), 3 (27), 3 (29), 3 (30), 3 (32), सर्वे सर्किल-3, नई दिल्ली, परिवहन सर्किल, नई दिल्ली, तथा पहला अतिरिक्त परिवहन सर्किल, दूसरा अतिरिक्त परिवहन सर्किल और तीसरा अतिरिक्त सर्वे सर्किल, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 3-1-1977 से लागू होगी।

सं० जुरि-दिल्ली/4/76-77/13761—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी आदेशों/अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निवेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में बताए गए आयकर अधिकारी उक्त अनुसूची के कालम-3 में निर्दिष्ट व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों, या मामलों या मामलों के वर्गों के संबंध में अपने कार्य करेंगे। कन्तु इनमें वे व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्ग, आय या आय के वर्ग या मामले या मामलों के वर्ग शामिल नहीं होंगे जो उक्त अधिनियम की धारा 127 के अन्तर्गत किसी दूसरे आयकर अधिकारी को सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

अनुसूची

क्रम आयकर अधिकारी का
सं० पदनाम

अधिकार-क्षेत्र

1	2	3
1. आयकर अधिकारी, परिवहन संकाल, नई दिल्ली	(क) परिवहन संकाल, नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आने वाली उन कंपनियों के सभी मामले जिनके नाम अंग्रेजी के 'ए' से 'एल' तक (दोनों शामिल हैं) किसी भी अक्षर से शुरू होते हैं।	
	(ख) उपर्युक्त (क) में निर्दिष्ट कंपनियों के निवेशक।	
	(ग) परिवहन संकाल के अधिकार क्षेत्र में आने वाले उन व्यक्तियों के सभी मामले जो उपर्युक्त (क) और (ख) में शामिल नहीं किए गए हैं तथा जिनके नाम अंग्रेजी के 'ए' से लेकर 'जी' तक (दोनों शामिल हैं) किसी भी अक्षर से शुरू होते हैं।	
	(घ) उपर्युक्त मद (ग) के अन्तर्गत आने वाली कंपनियों के सभी सामेवार व्यक्ति।	
2. आयकर अधिकारी, पहला अतिरिक्त परि-	(क) परिवहन संकाल, नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र	

1 2 3

वहन संकाल, नई दिल्ली

में आने वाले (परिवहन संकाल और दूसरा अतिरिक्त परिवहन संकाल के अधिकार क्षेत्र में आने वाली कंपनियों और उनके निवेशकों को छोड़कर) उन व्यक्तियों के सभी मामले जिनके नाम अंग्रेजी के 'ओ' से लेकर 'जेड' तक (दोनों शामिल हैं) किसी भी अक्षर से शुरू होते हैं।

(ख) उपर्युक्त मद (क) के अन्तर्गत आने वाली कंपनियों के सभी सामेवार व्यक्ति।

(क) परिवहन संकाल, नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में आने वाली उन कंपनियों के सभी मामले जिनके नाम अंग्रेजी के 'एम' से लेकर 'जेड' तक (दोनों शामिल हैं) किसी भी अक्षर से शुरू होते हैं।

(ख) उपर्युक्त (क) में निर्दिष्ट कंपनियों के निवेशक।

(ग) परिवहन संकाल के अधिकार क्षेत्र में आने वाले उन व्यक्तियों के सभी मामले जो उपर्युक्त (क) और (ख) में शामिल नहीं किए गए हैं तथा जिनके नाम अंग्रेजी के 'एच' से लेकर 'एन' तक (दोनों शामिल हैं) किसी भी अक्षर से शुरू होते हैं।

(घ) उपर्युक्त मद (ग) के अन्तर्गत आने वाली कंपनियों के सभी सामेवार व्यक्ति।

यह अधिसूचना 3-1-1977 से लागू होगी।

एन० एस० राघवन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली

आयकर आयुक्त कार्यालय, केरल-1

कोडिन-682016, दिनांक 29 नवम्बर 1976

सी० सं० 1(12)/ए०/जी० ए८०/76-77—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 123 की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केरल-1 का आयकर आयुक्त, म निदेश देता हूं कि इस कार्यालय के

दिनांक 6-8-1974 की समसञ्चयक अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन किये जाएंगे। [यह आदेश 16-11-1976 से प्रवृत्त होगा।

(1) कम सं० (2) कोलम 4 में मद सं० 6 के रूप में “सर्वे सरकिल, एरणाकुलम” जोड़िए।

पी० एस० सुश्रमण्यन
आयकर आयुक्त, केरल-1

प्रस्तुप मार्फ़ ३० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैकटर १८वीं

चण्डीगढ़, दिनांक 13 जनवरी 1977

निवेश सं० पानीपत/5/76-77:—अतः मुझे ग० प० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है), की द्वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि क्षेत्रफल 33 कनाल 6 मरले (20147 वर्ग गज) है तथा जो जी० टी० रोड, पानीपत में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1976 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आरितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की द्वारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की द्वारा 269 घ की उपावारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. सर्वे श्री तरलोक नाथ जगदीश चन्द्र पुत्र श्री हरि किशन लाल, निवासी 159 माडल टाउन, पानीपत। (अन्तरक)

2. मै० महाजन वूलनज प्राइवेट लिमिटेड (प्रोपोज़र) जी० टी० रोड, पानीपत द्वारा श्री मदन लाल मोहन महाजन पुत्र श्री राम लाल महाजन, असन्ध रोड, पानीपत। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 33 कनाल 6 मरले (20147) वर्ग गज खेत नं० 137, मिन खतौनी नं० 161, मिन खसरा नं० 59,

13	17-18	23			
—	—	—			
2	1	2			
0-11	6-8	2-0	8-6	8-0	1-17,
62					
— और खेत नं० 138, खतौनी नं० 162,					
3	मिन	4	मिन		
2-3	2-0				
59					
खसरा नं० 14 जोकि जी० टी० रोड, पानीपत में स्थित है।					
2-1					

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के बिलेख नं० 485 मई, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पानीपत के कार्यालय में लिखा गया है।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 13 जनवरी 1977।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अण्डीगढ़

156, सैकटर 9-बी

अण्डीगढ़, दिनांक 10 जनवरी, 1977

निदेश सं० पानीपत/10/76-77:—अतः मुझे, ग० प० सिंह, ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4, क्षेत्रफल 498.5 वर्ग गज (स्कीम नं० 16) है तथा जो असन्धि रोड़, पानीपत, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या बग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सतीश कुमार पुन्न श्री लखमी चन्द, निवासी मकान नं० 442/आर, मौडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरक)

2. श्रीमति भगीरथी देवी पत्नी श्री रघुनाथ लाल, निवासी मकान नं० 100, गांधी कालोनी, मुजफरनगर (यू० पी०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्पर्याद्यत्व या पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4, क्षेत्रफल 498.5 वर्गगज (स्कीम नं० 16) जोकि असन्धि रोड़, पानीपत में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1060 मई 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पानीपत के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अण्डीगढ़

तारीख: 10 जनवरी, 1977
मोहर:

प्ररूप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/12312/76-77:—

अतः, मुझे, एम० एस० गोयला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ए० 28 है तथा जो स्वर्ण-सिंह रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्भासित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री द्वारका नाथ जुस्सी पुत्र पंडित श्री कान्त जुस्सी निवासी क्वार्टर नं० 402, लानसर रोड़, माल रोड़, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री राजेश कुमार गुप्ता (2) श्री अनिल कुमार गुप्ता पुत्रगण श्री श्याम नाथ निवासी 18 बंगलो रोड़, कमला नगर, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड रिहायशी प्लाट जिसका नं० 28 क्षेत्रफल 300 वर्गमीटर जोकि 'ए' ब्लॉक में स्वर्ण सिंह रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थिति है:—

उत्तर : स्वर्ण सिंह रोड़ 30' छोड़ा

दक्षिण : लेन 15'

पूर्व : प्लाट नं० 30

पश्चिम : प्लाट नं० 26

एम० एस० गोयला,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 जनवरी 1977

मोहर :

प्रलोग आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसपासी भार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1977

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1232/76-77:—

अतः मुझे, एम० एस० गोयला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० 14/45 है तथा जो माड़ल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से वह का कृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रूप से उक्त अन्तरण लिखित में दारहदार रूप से वर्णित नहीं विद्या गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट, नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रोम नारयण पुत्र श्री राधका नारयण, निवासी जी०-३/५, माड़ल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री कल्याण सिंह पुत्र श्री तारा सिंह निवासी ई०-४, माड़ल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

3. (1) मैसर्ज आहूजा जरनल स्टोर, (2) श्रीमती चन्द्र मोहनी, (3) श्री अनन्त सिंह, (4) श्री कुलबत्त सिंह मनिक माडन स्टोर । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि प्लाट नं० 45 ब्लाक एफ० 14 में 233-1/3 वर्गगज भूमि पर बना है और माड़ल टाउन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थिति है:—

उत्तर : मकान नं० एफ० 14/46

दक्षिण : मकान नं० एफ० 14/44

पूर्व : सड़क

पश्चिम : लान

एम० एस० गोयला,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 जनवरी 1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 दिल्ली-1

4/14 क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1230/76-77:-

अतः मुझे, एम० एस० गोयला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 783/18 है तथा जो प्लाट नं० 237 उत्तरी गांधी नगर, शाहदरा दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3-436G1/76

1. श्रीमती मंगती देवी पन्नी श्री मुरारी लाल 21-ई०चितर-गुप्ता रोड, पहाड़ गंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री धन पाल पुन्न श्री रूप चन्द जैन निवासी 783/18 प्लाट नं० 237 गली दुर्गा, उत्तरी गांधी नगर, शाहदरा दिल्ली ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तामस्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिली जायदाद जो कि जमीन के 193.5 वर्ग गज प्लाट पर बनी हुई है जिसका म्युनिसिपल नं० 783/18 प्लाट नं० 237 जो कि उत्तरी गांधी नगर, शाहदरा के इलाका दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर : बना हुआ मकान जिसका नं० 783/19

दक्षिण : बना हुआ मकान जिसका नं० 783/17

पूर्व : गली दुर्गा

पश्चिम : बनी हुई जायदाद।

एम० एस० गोयला,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः 5-1-77

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 जनवरी 1977

निदेश सं० अर्जन/318/हाथरम/76-77/29—प्रतः मुझे,
विजय भार्गवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
श्रीरजिमकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हाथरम में,
रजिस्ट्रीरकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 25-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः भव उक्त अधिनियम को धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मेला राम पुत्र गोविन्द राम खालूजा निवासी सादाबाद,
गेट, हाथरम।
(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मी नारायण यादव पुत्र श्री गोपाल दास निवासी
मुरासन द्वारा, हाथरम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भगवत श्याम काटन मिल्स (1/8 भाग)
वाकै मुरासन द्वारा, हाथरम जिला अलीगढ़, 32,500 रु० में
हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7 जनवरी 1977

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 जनवरी 1977

निदेश सं० अर्जन/319/हाथरस/76-77/53—अतः मुझे,
बजय भार्गवा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिकऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपालब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हाथरस में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25-5-1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से वर्णित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मेला राम पुत्र गोविन्द राम सालूजा निवासी सादाबाद
गेट, हाथरस।
(अन्तरक)
2. श्री लक्ष्मी नारायण यादव पुत्र श्री गोपाल दास निवासी
मुरासन द्वारा, हाथरस।
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में यथा परि-
भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।अचल सम्पत्ति भगवत श्याम काटन मिल्स (1/8 भाग)
वाकै मूरासन द्वारा हाथरस जिला प्रलीगढ़, 32,500 रु० में
हस्तान्तरित की गई है।विजय भार्गवा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 7-1-1977

मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूष्टत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जनवरी 1977

निदेश सं० 10-0/76-77/ए०सी०क्य०:—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व, के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रांपत्ति, जिसव । उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 17-डी०-1, डी०-2 है तथा जो रुद्रपुर तह० किला जिला नैनीताल में स्थित है (अग्र इससे उपावड़ अनुसूची में और पुर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्वानी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) वं बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिष्ठा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिष्ठा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सत्यपाल कावड़ा, तारा कावड़ा। (अन्तरक)
2. श्री शोम प्रकाश गुप्ता। (अन्तरिती)
3. श्री खरीददार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. व्यक्तिगत। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां पूर्ण करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 17-डी०-1, डी०-2 जो रुद्रपुर तहसील किला जिला नैनीताल में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूष्टत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 10 जनवरी 1977

मोहर:

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 10 जनवरी 77.

निदेश नं० 22-एन०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो सो० तखान जिला पीलीभीत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय पीलीभीत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-5-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्ति आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मान्ती स्वरूप जौहरी, पुरुषोत्तम स्वरूप जौहरी, राजेश्वरी देवी, कमल राज आनन्द, वीरेन्द्र स्वरूप जौहरी, नरेन्द्र स्वरूप जौहरी, विद्या स्वरूप जौहरी श्रीमती श्यामा देवी, श्री चन्द्र कुमार जौहरी (अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र नाथ मिश्र (अन्तरिती)
(3) स्वयं (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उससे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 किता मकान जो मोहल्ला तखान, जिला पीलीभीत में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 10-1-77

मोहर।

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री खिलू

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(2) श्री बल्ला

(अन्तरिती)

(3) क्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जनवरी, 77

निदेश नं० 75-बी०/एसीक्य०—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि खाता नं० 31 खेत नं० 150/ 913 आदि कुल 13 बीघा ग्राम नगला नैनसुख परगना दादरी जिला बुलन्दशहर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कृषि भूमि नाप 13 बीघा जो ग्राम नगला नैनसुख परगना दादरी जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

तारीख : 10-1-77

मोहर :

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०—

(1) श्री विनय कुमार

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शारदा रानी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जनवरी, 1977

निदेश नं० 139-एस० (बी०)/ ए० सी० क्य०० —अतः
मुझे अमर सिंह बिसेनप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० कोठी है तथा जो मो० सिविल लाइन्स
जिला बिजनौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय बिजनौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 31-5-76को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विषयास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वाक्ता, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्रन या किसी अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या ग्रन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जम के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वे से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा इधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।एक मंजिला कोठी जो मो० सिविल लाइन्स जला बिजनौर
में स्थित है ।अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 10-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती हुर्गेश नन्दनी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा
269प्र (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शारदा रानी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 10 जनवरी 1977

निदेश नं० 139-एस० (ए०) एस० /ए०सी० क्य० —अतः,
मुझे अमर सिंह बिसेनप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है।और जिसकी सं० कोठी है तथा जो मौ० सिविल लाइन्स जिला विजनीर में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजनीर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 31-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला कोठी जो मौ० सिविल लाइन्स जिला विजनीर में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी

नियम प्रायकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 10-1-77
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जनवरी 1977

सं० आर० ए० सी० 210/76-77—यतः मुझे के० ए०-
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि राष्ट्रवाच सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 27/3 है, जो बकारापुरम में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुलीवेनडला तालूक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिंदित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रन्तः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यर्थातः:—

4—436G1/76

(1) श्री वाई० एम० सी० कोनडा रेडी पिता बेंकट रेडी पुलीवेनडला जिला कडपा (अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती वाई० एम० भारती रेडी पति जानगी रेडी (2) वाई० एम० विजयालक्ष्मी पति गजसिकर रेडी (3) श्रीमती वाई० सौभाग्यालक्ष्मी पति विवेका नन्दा रेडी नमाम पुलीवेनडला जिला कडपा (अन्तरिती)

(3) जिमा जिरायती अधिकारी, कुडपा (अधिकार में एक गोदाम) गांव बाकरापुरम पुलीवेनडला तालुक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तरद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, गोदाम, कारखाना, घर कार्यालय, घर रहने का घर काम करने वालों का घर और अधिघर बकारापुरम गांव में पुलीवेनडला तालूक कडपा जिला बेंचा गया है दस्तावेज नं० 804/76 रजिस्ट्री घर उप रजिस्ट्री कार्यालय पुलीवेनडला मर्वे नं० 27/3 एकरसं 3.74 सेनट इसमें 364 सेनट या 1.466 हेक्टार

इसके अन्तराप में:

पूर्व : कदरी भदनूर रास्ता

दक्षिण : बेचने वाले का जमीन

पश्चिम : बेंकटरापुरम रास्ता

उत्तर : बेंकटरापुरम रास्ता

नीचे बताया गया हुवे जमीन और घर इस निवेदन अधिकार में ले लकते हैं।

1. कारखाना घर

2. हस्करम

3. गोलदामन

4. गोदाम

5. डिवेलिंग घर

के० ए० स० बेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-1-1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जनवरी 1977

सं० आर० ए० सी० 211/76-77:—यतः मुझे, के० एस० बैंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 5-7-637/6 है, जो स्टेशन रोड में स्थित है (और उससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मी बाई पति मदन लाल अग्रवाल और श्रीमती लीला बाई पति एंकरलाल अग्रवाल घर नं० 15-1-1 उसमान गंज हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री रघबीर सिंह पिता गोपेश सिंह नैजामाबाद विजया पीटी स्ट्रीट नैजामाबाद

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं० 5-7-637/6 स्टेशन रोड नैजामाबाद दस्तावेज नं० 611/76 तारीख 10-5-76 बैची गई सब रजिस्ट्रार कार्यालय में नैजामाबाद

के० एस० बैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 13 जनवरी 1977

सं० आर० ए० सी० 212/76-77:—यतः मुझे, के० एस० बैंकटरामन,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-637/7 है, जो स्टेशन रोड में स्थित है (और इसमें उपांचाल अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-5-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तरणों, अर्थात् :—

(1) 1. श्रीमती लक्ष्मी बाई पति मदनलाल अग्रवाल
2. श्रीमती लीलाबाई पति शंकरलाल अग्रवाल
उक्त नं० 15-1-1 उसमानगंज के पास हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री रगबीर सिंह पिता गणेश सिंह विजया पीटी
सीडियों के घारा स्टेशन रोड, नैजामाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेय वर्दि कोई हो तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभायित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति डोर नं० 5-7-637/7 स्टेशन रोड, नैजामाबाद में बेचा गया दस्तावेज नं० 612/76 उप रजिस्ट्रार कार्यालय, नैजामाबाद में।

के० एस० बैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-1-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जनवरी, 1977

सं० आर० ए० भी० 213/76-77 :—यतः मुझे, के० ए० सं० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-637/9 है, जो स्टेशन रोड मे॒ स्थित है (और इसमे॒ उपाबद्ध अनुसूची मे॒ और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद मे॒ भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे॒ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे॒ कभी करने या उससे बचने मे॒ सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे॒ सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे॒, मे॒ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मी बोई पति मदन लाल अग्रवाल (2) श्रीमती लीला बाई पति शंकर लाल अग्रवाल घर नं० 15-1-1- उममानरांज हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश कुमार पिता नरवेराम दकर दीपक ट्रेडर कम्पनी स्टेशन रोड, नैजामाबाद (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे॒ कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे॒ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे॒ से विसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित मे॒ किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे॒ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे॒ परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 5-7-637/9 स्टेशन रोड नैजामाबाद मे॒ दस्तावेज नं० 613/76 सब रजिस्ट्रार कार्यालय, नैजामाबाद मे॒।

के० ए० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-1-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जनवरी 1977

गं० आर० ए० मी० 214/76-77:— यतः ममे, के०
ए० वैकटरामनआयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।श्री जिमकी मं० 5-7-637/8 है, जो स्टेशन रोड में स्थित
है (आंग इमें उपावड़ श्रनुगूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
10-5-1976को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोत्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उम्में दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है श्री अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) 1. श्रीमती लौला आई पति शंकरलाल अग्रवाल
(2.) लक्ष्मी बाई पति मदन लाल अग्रवाल घर नं०
15-1-1- उसमान गंज हैदराबाद।

(प्रत्तरक)

(2) श्री शंकर लाल बजाज मालिक विजय रेडीमेड और
कटपीस सेन्टर निजामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यवितयों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 5-7-637/8 स्टेशन रोड निजामाबाद में
बेचा गया है दस्तावेज नं० 614/76, उप रजिस्ट्रार कार्यालय में,
निजामाबाद।के० एस० वैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-1-1977

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जनवरी 1977

सं० आर० ग० सी० 215/76-77 :—यतः मुझे, के० एस० वैकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-637/10 है, जो स्टेशन रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त स्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्रीमती लक्ष्मी बाई पति मदन लाल अग्रवाल
(2) लीला बाई पति शंकर लाल अग्रवाल घर नं० 15-1-1- उमसान गंज हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री बटु नारायण पिता चन्द्रदया बटु अन्द्रया और कम्पनी स्टेशन रोड निजामाबाद।
(अन्तर्स्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति घर नं० 5-7-637/10, स्टेशन रोड, निजामाबाद, बैचा गया बस्तावेज नं० 615/76 उप रजिस्ट्री कार्यालय निजामाबाद में।

के० एस० वैकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-1-1977

मोहर :

प्रस्तुप-आई० टॉ० एन० एस० —————

(1) श्री ज्योतिर्नन्द सालौ लाहौटी, सन् आफ लेट मनमल लाहौटी, केदार रोड, गोहाटी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269वाँ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 4 जनवरी 1977

निर्देश सं० १०० २० /शिल०/ ७६-७७/११४४-५३—यतः
 मुझे एगबर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269 वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० २६१५ पि० पि० सं० ८३६ है तथा जो
 सिवसागर सहर मौजा नगरमहल, पि० एस० सब रजिस्ट्रार आफिस
 जिला सिवसागर में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारीके कार्यालय, सिवसागर
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख 16-८-७६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिख्त में वारत्तिक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
 सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगान्वय अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269वा के
 अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269वा की
 उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, मरणिः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या सत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20 के में यथा
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
 में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन कि माप 1 बिधा 1 काता 16 लेचा जो कि दाग
 सं० २६१५ पि० पि० सं० ८३६ सिव सागर सहर, मौजा नगर
 महल, पि० एस०, सब रजिस्ट्रार आफिस और सिवसागर जिला,
 म्युनिसिपालिटी सं० ५४९ में स्थित है।

एगबर्ट सिंग
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 4-1-1977

मोहर :

आई० ई० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती पी० कल्याणकुमारी अम्मा

(अन्तरक)

(2) श्री ए० जेसुदास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज एरणाकुलम्

एरणाकुलम्, दिनांक 10 जनवरी 1977

निवेद सं० एल० सपी० 110/76-77:—यतः महो एस० एन०
चन्द्रचूटन, नायर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो ट्रिवान्ड्रम कारपोरेशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शास्तमगलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे अचले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अवधारित:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभूत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14 acres 17 sq. meters of land with buildings No. 14/276 in Anchamadai Village Sy. No. 486, sub-division 7.8.11.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज एरणाकुलम्

तारीख : 10-1-1977
मोहर :

प्रूरुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० के० उम्मर (एजन्ड पी० के० पोक्कर के द्वारा)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शंकरनारायण (2) मोटूनन (3) भृक्षण (4) लालू (शंकरनारायण के द्वारा)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, विनांक 10 जनवरी 1977

निदेश सं० एन० 111/76-77:—यत मझे, प्रूरुप

एन० चन्द्रचूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० अनुमूल्य के अनुसार है, जो काट्टूर विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काट्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-5-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

5-436GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया मुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

49 cents of land with buildings in Sy. No. 920/13 ■
Kattoor Village.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 10-1-1977
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 12 जनवरी 1977

निदेश सं० एस० सी० 112/76-77 :—यतः मम्मे, एस० एन० चन्द्रचूटन नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो ट्रिचूर विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओलूकरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री आनंदणी (2) वरकी (3) पोल (4) टेवीस
(5) तोमस (6) फानसिस
(अन्तरक)

2. श्री (1) आनंदणी (2) फानसिस (3) रप्पर्ड (4) जोर्ज (5) टेवीस (6) तोमस
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 acres 26 cents of land with buildings in Sy. No. 624/2 of Marathakkara desom in Trichur village.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-1-1977

मोहर :

प्रसूत आई० टी० एन० एस०——

(1) श्रीमति सफिया वीवि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 जनवरी 1977

निवेश सं० एल० सी० 113/76-77 :—यतः मुझे, एस०एन० चन्द्रचूटन नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो बड़वकेविला विलेज में स्थित है (और इससे उपावल्ल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूरविपुरम, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-5-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुरूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(2) श्री यूनस कुन्जु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से छूट लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 acres of land with Cashew factory buildings in Sy. No. 3049 and 3050 of Vadakkevila village in Quilon district.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 13-1-1977
मोहर :

प्रस्तुप धार्द० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 10 जनवरी, 1977

निवेश सं० 366/एकुरेIII/ 76-77/कल० :—प्रतः मुझे,
एल० के० बालमुखमनियन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है

और जिसकी सं० 68 एफ० है, तथा जो भायराजा टेगोर
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 18-6-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धम या भाय आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

(1) श्री प्रनब कुमार भट्टाचार्य 11 बी, सम्म बाबू लेन,
कल०-14

(अन्तरक)

(2) गौरांग पद तालूकदार 11/1 नेताजी नगर, कल-40
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यवितयों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्खाकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 किंवा 8 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया दोतला
मकान जो 68 एफ०, महाराजा टेगोर रोड, थाना यादबपुर
पर अब स्थित और जो दलिल सं० 1984/1976 का अनुसार
है।

एल० के० बालमुखमनियन
सक्षम प्राधिकारी
महायकर भायकर भायकर (निरीक्षण)
54 रफीअहमद किदवई रोड,
अर्जन रेज-III कलकत्ता-16

तारीख : 10-1-1977

मोहर :

प्रकल्प ग्राही० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती पी० बी० जयलक्ष्मी देवी और श्राद्धी
(अन्तरक)प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के प्रधीन सूचना(2) भी के० बी० राव
(अन्तरित)भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1977

निर्देश सं० 15/मे/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 87 है, तो बलब रोड, श्रीवास नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 599/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन में 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमति किसी इन्द्र व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, श्रीवास नगर, बलब रोड डोर सं० 87 (पार० एस० 451/2 और 449/3) में एक ग्रंथालय और 2108 स्कुलर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देसे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(च) ऐसी किसी आय या किसी धन या इन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-1-1977

मोहर :

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्र० श्री आई० टी० एन० एस०

(1) श्री अब्दुल शाकुर

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० एस० काजा मोयनुदीन

(अन्तरित)

भारत सरकार
कायालिय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1977

निर्देश सं० 17/मे/76-77—यतः . मुमे, जी० रामनातन, ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 190 है, जो अंगप्प नायकन स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, मद्रास (पत्र सं० 2452/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन 12-5-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की नाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, अंगप्पनायकन स्ट्रीट डोर सं० 90 में 2329 स्कुपर फोट की भूमि और मकान (आर० एस० सं० 4166)।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

तारीख: 12-1-1977

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री गमसामि गंडल्डर और आदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री मारप्पन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रेज-1, भद्रास

भद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1977

निदेश सं० 29/मई/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 241 है, जो कोतूर सेलम जिल्ला में स्थित है (ग्राम इससे उपावन्द में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पृष्ठांती (पत्र सं० 426/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्की

सेलम जिल्ला, कोतूर गांव एस० सं० 241 में 11.48 एकर खेती की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, भद्रास

तारीख : 12-1-1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

(1) श्री सक्तीबेल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री पी० दुरैमामि

(अन्तरिती)

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1977

निदेश सं० 34/मई/76-77—यसः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 175 और 176/1 है, जो कोंगणापुरम, सेलम में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय, ईडप्पाडी (पत्र सं० 615/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यवित्रित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यवित्रित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, कोंगणापुरम गाँव एस० सं० 175 में 3.10 एकर और एस० सं० 176/1 में 5 सेन्ट खेती की भूमि और आदी।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-1-1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री तान्त्रन गड्ढन्दर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1977

निर्देश सं० 35/मई/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 114/1 भी० है, जो कावेरीपट्टी, सेलम में स्थित है (और इसमें उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईडपाड़ी (पक्ष सं० 583/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-436GI/76

(2) श्रीमती लक्ष्मी अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, कावेरीपट्टी गाँव आर० एम० सं० 114/1 भी० में 2.10 एकर खेती की भूमि।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, मद्रास

तारीख: 12-1-1977

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1977

निर्देश सं० 37/मई०/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनातन भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 थ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 47 है, जो सं० 2 पिल्लैयार कोविल स्ट्रीट, सेलम-6 में स्थित है (और इससे उपावश्म में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्तायिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 थ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 थ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्रीरंग चट्टीयार और आदी (अन्तरक)
(2) श्री वी० सिद्धप चट्टीयार और श्रीमती रुकम्भाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम 6, गुर्गे, सं० 2 पिल्लैयार कोविल स्ट्रीट डोर सं० 47 में 1540 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 12-1-1977

मोहर:

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०

(1) श्री सी० एल० रविचन्द्रन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सोहन सेवा समाज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1977

निर्देश सं० 64/प्र०/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269 खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 27 है, जो कोन्डलैयर स्ट्रीट मद्रास-1 मे स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2602/76) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

मद्रास-1, वी० ओ० सी० नगर, कोन्डलैयर स्ट्रीट डोर सं० 27 (आर० एस० सं० 391) मे एक ग्रैन्ड और 299 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-1-1977
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती के० राजेश्वरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री लोहान सेवा समाज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी, 1977

निर्देश सं० 65/मई/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनातन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है, जो कोन्डलैयर स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (शैर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2603/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से दृष्ट अन्तरण लिखित में बारतीक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मद्रास-1 बी० ओ० सी० नगर कोन्डलैयर स्ट्रीट डोर सं० 27 (प्रार० एस० सं० 391) में एक ग्रान्ड और 299 स्क्युर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, जालन्धर

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-1-1977

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

(1) श्री सी० एल० रविचन्द्रन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी, 1977

निर्देश सं० 67/मई/1977-76—यतः, मुझे, जी० रामनातन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है, जो कोन्डलैयर स्ट्रीट मदरास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2642/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री लोकाना सेवा समाज

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधार्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदरास-1 वी० श्रो० सी० नगर कोन्डलैयर स्ट्रीट ओर सं० 27 (प्रार० एस० सं० 391) में एक अजन्ड और 299 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती के० राजेश्वरि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1977

निर्देश सं० 68/मई/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनातन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 27 है, जो कोन्डलैयर स्ट्रीट मदरास-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पन सं० 2643/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रौदि किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः:—

(2) श्री लोहान सेवा समाज (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदरास-1, वी० ओ० सी० नगर, कोन्डलैयर स्ट्रीट और सं० 27 (आर० एस० सं० 391) में एक ग्रन्ड और 299 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 12-1-1977

मोहर:

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी, 1977

निर्देश सं० 70/मई/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनातन, सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', बहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1 है, जो हारीटन रोड, मदरास-31 में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2724/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1976 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्षेत्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारहादिक रूप से वर्णित नहीं विद्या गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य सारितमों को, जिन्हें भारतीय सहायक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरस्वती दनकोटी (अन्तरक)
(2) केराम होटलम (पी०) लिमिटेड (अन्तरिती) लिमिटेड
(3) कालटेक्स (ईन्डीया) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यवित्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदरास-31, हारीटन रोड डोर सं० 1 में 13 ग्रॅन्ट और 348 स्क्युयर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती मीतालकशमी अच्ची (अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० मुरुगेसन (अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, मद्रास
मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1977

निर्वेश सं० 30/मई/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनातन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 69/1 और 97/1 है, जो नर्जे ईड्यार गाँव, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, वेलुर (पत्र सं० 763/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्ता उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, नर्जे ईड्यार गाँव एस० सं० 69/1 (0.88 एकर) और 97/1 (0.56 एकर) में 1.44 एकर खेती की भूमि।

जी० रामनातन
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 13-1-1977

मोहूर:

प्ररूप श्राई०टी०एन० एस०—

(1) श्रीमती तिरुपत्र सुन्दरी अच्ची (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1977

निर्देश सं० 40/मई/76-77—यतः, मृष्टे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 69/1 और 97/1 है, जो नन्जे ईड्यार गाँव सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, वेलूर (पत्र सं० 794/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मृष्टे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—436 जी० आई०/76

(2) श्री के० मुरुगेसन (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, नन्जे ईड्यार गाँव एस० सं० 69/1 (0.88 एकर) और 97/1 (0.56 एकर) में 1.44 एकर खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 13-1-1977

मोहर :

प्रलृप प्राई० डी० एन० ८३०-०००

(1) श्रीमती नामगिरि लक्ष्मी अच्ची (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० मस्तगेसन (अन्तरिती)

भारत सरकार
कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1977

निदेश सं० 34/जून/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 69/1 और 2 और 97/1 है, जो नन्जे ईडियार में स्थित हैं (और इससे उपावढ़ में और पूर्ण रूप से बण्णत हैं), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कायालिय, वैलूर (पत्र सं० 912/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल १.५ ग्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन वो अवधि या तःसम्बन्धी धर्मितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन वो अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रकाशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, नन्जे ईडियार गाँव, एस० सं० 69/1 (0.16 एकर), 69/2 (0.72 एकर) और 97/1 (0.56 एकर) में खेती की भूमि (1.44 एकर)।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, मद्रास

तारीख: 13-1-1977

मोदूर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1977

निदेश सं० 61/मई/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, जो नार्त मादा चर्च में स्थित है
(और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 2569/76)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मई 1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
अधिक से है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री माहमद आदम सेट (अन्तरक)
- (2) श्री पी० सी० सुराना, ए० एस० जैन और
ए० सी० सुराना (अन्तरिती)
- (3) (1) एम० जी० हारीसन,
(2) नार्मल क्लीफोरड,
(3) जे० बललाल्ड,
(4) के० रवीन्द्रन,
(5) और (6) पी० देवराजुलु नायडु एण्ड० सन,
(7) जे० सैमन,
(8) जी० एम० पार्तमार्गी। (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-13, नार्त मादा चर्च स्ट्रीट डोर सं० 2 में
8 ग्राउन्ड और 1265 स्क्युर फीट की भूमि (मकाने के
साथ) (आर० एस० सं० 485)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, म.स

तारीख: 13-1-1977

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-

(1) श्री ए० एम० एस० अब्दुल गफूर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास
मद्रास, दिनांक 13 जनवरी, 1977

निदेश सं० 73/मई/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 234 है, जो कीलकरै में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, कीलकरै (पत्र सं० 669/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री अहमद सैयद मोहमद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी इव्वत बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त माद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रामनातपुरम जिल्ला, कीलकरै गाँव एस० सं० 234 में 5, 75 एकर की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 13-1-1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री आर० जेयरामन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी, 1977

निदेश सं० 3592/76-77—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है प्रौर जिसकी सं० 19 श्रीनगर कालनि, कुम्बकोनम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नहीं था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द, उबत अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्तन:—

(2) श्री एल० आर० एम० श्रुता चलम चेट्टियार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उबत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, श्रीनगर कालनि, डोर सं० 19 मै 8505 स्क्युर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंजII, मद्रास

तारीख: 13-1-1977
मोहर:

प्ररूप ग्राइंड टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर उचित (निर्काण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1977

निदेश सं० 5227/76-77—यतः, मुझे, एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 40, पहला मेयिन रोड, मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जै० एस० आर० II, सैदापेट, मद्रास (डाकुमेण्ट 1133/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अ.म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतदिक् रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की छापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री आर० जगनात; जै० मोहन राम (मनर); जै० मुरलि कृष्णन (मनर); और जै० संगित कुमार (मनर) (अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मि अम्माल; श्री कै० जै० श्रीतरत; श्री कै० जै० सक्वर्ति; और कै० जै० सुरेश (मनर) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायकर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, अड्यार, गांधी नगर, पहला मेयिन रोड, डोर सं० 40 में 5 प्रउण्ड और 1723 स्क्युयर फीट (मकान के साथ) (प्लाट सं० 52, ओ० एस० सं० 9 टी० एस० सं० 24 प्लाक सं० 30)।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 13-1-1977
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा
काकिनाडा, दिनांक 11 जनवरी 1977

निदेश सं० आर० ८० सी० नं० 376—यतः मुझे
बि० वि० सुब्बाराव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 21/41-4-3/3 थाडितोटा है, जो राजमन्डी
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राज-
मन्डी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 6-5-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) विस्वभारती क्रमिकूल कंपनी गारपाटी वी-
वेंकटमत्यन्नागथणा थाडितोटा राजमन्डी। (अन्तरक)

(2) भवानी रोलिंग मिल्स गारपाटी वीरराजू, थाडि-
तोटा, राजमन्डी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यवितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्तकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक अंत 15-5-76
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1283/76 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ती।

बि० वि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 11-1-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 11 जनवरी 1977

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 377—यस: मुझे
भी० वी० सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विधास करने वा कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 22-भी०-1-75 है, जो 15 वार्ड,
एलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
एलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1-5-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्पत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. (1) श्री चेस्कुपल्ली वेकटगोपाल कृष्ण मूर्ती,
(2) चेस्कुपल्ली कृष्ण मोहन,
(3) चेस्कुपल्ली श्रीनिवास मूर्ती,
(4) चेस्कुपल्ली प्रभाकर, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2). श्री नंदि सिवरामकृष्ण मैत्र/गाडियत संकु संत्य-
वतमा, एलूर (अन्तरिती)

(3) (1) श्री छोडे कृष्णमूर्ती एलूर
(2) मछुल हरनात बाबा एलूर
(3) गोलपूडि गामम
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिता के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथाप्रिभावित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एलूर रजिस्ट्री प्राधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-1976 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1107/76 में निर्गमित अनुसूची
सम्पत्ति ।

वि० वि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 11-1-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 15 जनवरी 1977

निर्देश सं० 35/76-77/1 ए० सी० (ए०/आर०)/
बी० बी० ए० ए० आर०—यतः, मुझे अमरेन्द्र नाथ मिश्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० वार्ड नं० 7 है, जो ब्रह्मपुर टाउन में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रह्मपुर
टाउन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन ४-४-१९७६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
पश्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
४-४३६GI/76

(1) श्रीमती जम्बु राजट, स्वामी स्वर्गीय गिरीधारी
राजट (अन्तरक)

(2) श्री आनन्द रथ पिता स्वर्गीय पिताम्बर रथ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वौहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान ब्रह्मपुर टाउन का राजा स्ट्रीट में
स्थित है। वह संपत्ती ४-४-१९७६ तारीख में ब्रह्मपुर टाउन
सबरजिस्टार आफिस में रजिस्टर हुआ; जिसकी डकुमेंट
नं० ९३० है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख: 15-1-1977

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती प्रतिना सिंह जीजे, श्री नवीन किशोर प्र० सिंह,
साबे कोठी, कदम कुश्मा, पटना

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद बल्द श्री नवीन साव सां० मांझी
हंसनाली बाजार, याना—मांझी जिला—सारन।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतिक्रिया:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं;
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निवेश संख्या III-236/अर्जन/76-77/3104—यतः मुझे
शंकर शरण सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी हो० संख्या 9693/9693/4ए है, तथा जो
दहियावां, शहर छपरा में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सारम म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 26-4-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

मकान जो 6 कट्ठा, 12 धूर पर है जो दहियावां, याना—शहर
छपरा में है वा० सं० 4, सर्किल सं० 16, हो० सं० 9693/
9693/ / 4 ए है तथा जिसका वर्णन दस्तावेज सं०-3883
दिनांक 26-4-76 में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

दिनांक : 20-9-66

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 20 जनवरी 1977

निदेश सं० III-235/प्रजन/76-77/3103—यतः मुझे
शंकर शरण सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० 298 प० सं० 309 है, तथा जो ग्राम कोरा,
हजारीबाग में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हजारीबाग
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 15-4-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अस्तरण लिखित में
वाप्तविक स्पष्ट सही किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अविस्तयों, अधीत :—

(1) श्री के० सी० कुर्यन बल्द श्री कृपालचक कुर्यन
प्राम—कोरा, जिला—हजारीबाग।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना अम्बष्ट जीजे श्री राष्ट्रेश्याम अम्बष्ट, प्राम—
कोरा, जिला—हजारीबाग।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए
कार्यवाहियां करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन रकबा 86 डिसम्बर के साथ मकान जो 1250 बर्गफीट
पर है जो गांव—कोरा, थाना जिला—हजारीबाग में है। हो०
सं०—298, प्लाट नं०—3093 तथा जिसका विवरण दस्तावेज
सं० 6051 दिनांक 15-4-76 में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 20-1-1977

मोहर :

प्रक्षेप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिषेक, विहार, पटना

पटना, दिनांक 20 जनवरी 1977

निदेश सं० III-237/अर्जन/76-77/3105—यतः मुझे
शकर शरण सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपौ से अधिक है

और जिसकी हो० सं० 9693/9693/4 ए है, तथा जो दहियावां, शहर छपरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-4-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रितमा सिंह और श्री नवीन किशोर प्रसाद सिंह, साथे कोठी, कदम कुआं, पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री विरेन्द्र कुमार वल्द श्री जगदीश प्रसाद सा० एवं थाना—माझी, जिला सारन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो 6 कट्ठा 12 धूर पर है जो दहियावां, थाना शहर छपरा में है वा० सं०-4, सर्किल सं०-16, होल्डिंग सं० 9693/9693/4 ए है तथा जिसका वर्णन बस्तावेज सं० 3883 दिनांक 26-4-76 में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिषेक, विहार, पटना

दिनांक : 20-1-1977

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ३० एम ३० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 20-9-66

निवेश सं० III-238/प्रर्जन/76-77/3906—यतः मुझे शंकर शरण सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी हो० सं० 1/ए पा० सा० 4 है, तथा जो मुन्दीचक भागलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-4-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इस अधिनियम की धारा 269ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विजय कुमार बनर्जी, बल्द स्व० कालीपद बनर्जी, सा०—पटेल बाबू रोड, याना—कोतवाली, भागलपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती द्वोपदी देवी खन्डेलवाला जीजे श्री ओम प्रकाश खन्डेलवाला, प्रानन्द विकित्सालय रोड सूजागंज, भागलपुर। (अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मध्य मकान जिसका रकबा 3 कट्ठा 19 धूर 3 धूरकी है तथा जो मुन्दी चक, भागलपुर म है तथा जिसका वा० सं० 4 सकिल सं०-6, हो० सं० 1/ए है, तथा जिसका विवरण वस्तावेज सं० 2889 दिनांक 14-4-76 में पूर्ण है।

शंकर शरण सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

दिनांक: 20-1-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 20-1-77

निदेश सं० III-239/अर्जन/76-77/3107—यत/ मुझे
शंकर शरण सिंहाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी हो० सं० 1/ए, वा० सं०-8 है, तथा जो गुन्दीचक
भागलपुर में स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भागलपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 14-4-76को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनत्व
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः :—(1) श्री विजय कुमार बर्मर्जी बल्ल स्व० कालीपद बर्मर्जी, सा०
पटेल बाबू रोड, थाना—कोतवाली, भागलपुर।
(अन्तरक)(2) श्रीमती देवी खन्डेलवाल जीजे श्री ओम प्रकाश,
खन्डेलवाल, आमन्द चिकित्सालय रोड, सूजा गंज, भागल-
पुर।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमदा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय भकान जिसका रकबा 1 कम्बा 10 धूर 11 धुरकी
है तथा जो मुन्दीचक भागलपुर में है तथा जिसका वा० सं० 4, सकिल
सं० 7 हो० सं० 1/ए है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 2892
दिनांक 14-4-76 में पूर्ण है।शंकर शरण सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

दिनांक 20-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, जयपुर

जयपुर शिनांक 22 जनवरी 1977

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० बर्जन/361—यतः मुझे
आर० के० भल्ला,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० लक्ष्मी निवास है तथा जो आबू पर्वत में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आबू रोड में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 20-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ याय गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजना अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शारदा कुमारी देवेन्द्र प्रसाद पाण्डे निवासी
स्वामी नारायण बाग, असारदा, अहमदाबाद।
(अन्तरक)

2. श्रीमती धूम नांसीर मेडोर निवासी बेले व्यू, नवरंगपुरा
अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रन्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

13310 वर्ग फुट या 1479 वर्गगज के करीब नाप की
भूमि, उस पर स्थित 'लक्ष्मी निवास' भवन सहित जो आबू पर्वत
पर स्थित है और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजियक, आबूरोड
द्वारा क्रम ० सं० 84/76 दिनांक 20-4-76 को पंजिबद्ध विक्रय
पत्र में विवरणित है।

आर० के० भल्ला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 22-1-1977

मोहर:

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 11th January 1977

No. O.II-713/69-Estt(CRPF).—Consequent on his repatriation to the Central Health Service, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) New Delhi, Dr. A. K. Banerjee, relinquished charge of the post of GDO, Gd. I in the CRPF on the afternoon of 20th December, 1976.

The 12th January 1976

No. O.II-1048/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Choudhury Kshirod Chandra Das, as Junior Medical Officer in the CRPF on an ad-hoc basis wef 22-11-1976 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 10th January 1977

No. 11/4/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. C. Padalia, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from 3rd January 1977 upto 28th February, 1977, or until further orders whichever is earlier.

The headquarters of Shri M. C. Padalia will be at lucknow.

BADRI NATH, Deputy Registrar General,
ex-officio Deputy Secretary

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF E.A.)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 5th January 1977

No. 1501/A.—In continuation of Notification No. 871/A dated 22nd September, 1976, the adhoc appointment of Shri V. V. Bapat as Assistant Controller of Stamps is further extended upto 31st March, 1977 on the same terms & conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

N. RAMAMURTHY, Sr. Dy. General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 5th January 1977

No. F. No. BNP/C/72/74.—In continuation of this Department's Notification of even number dated 14.9.76, the appointment of Shri R. V. K. Chari as Assistant Engineer (Civil) in Bank Note Press, Dewas on standard deputation terms is extended for a further period of 6 months with effect from the 1.2.77.

F. No. BNP/E/8/M-8.—In continuation of this Department's Notification of even number dated 12th Oct. '76, the ad-hoc appointment of Shri S. K. Mathur, as Deputy-Control Officer in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) is extended for a further period of 3 months, with effect from the fore-

noon of 13.1.77 or till a regular appointment is made to this post, whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 12th January 1977

No. Admn I/P.F./Amar Dass/O.O/030/2713.—Shri Amar Dass, an Accounts Officer of this office, expired on the 15th December, 1976.

M. I. SOBTI, Senior Dy. Accountant General

Trivandrum, the 5th January 1977

No. Estt. AVII/9-86/Vol.II/260.—The Accountant General, Kerala, is pleased to appoint the following permanent Section Officers (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers in the same Office with effect from the dates shown against each, until further orders :—

1. Smt. L. Subbalakshmy Ammal	31-12- 1976 FN
2. Shri K. G. Bhaskaran Nair	31-12-1976 FN
3. Shri R. Raman	31-12-1976 FN

No. Estt. AVII/9-86/Vol.II/260.—The Accountant General, Kerala, has appointed Shri K. Varghese, permanent Section Officer of this office, presently on deputation to the Kerala State Electricity Board as Superintendent, Pre-Check Unit, Kulamavu to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 31-12-1976 forenoon under the next below rule, until further orders.

R. S. AIER, Dy. Accountant General (Adm.)

Trivandrum, the 6th January 1977

No. Estt/Entt/VI/10-3.—Shri K. Janardanan Kartha, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala retired from service on attaining the age of superannuation, in the A. N. of 31st December 1976.

M. P. SINGH JAIN, Accountant General

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR/N. F. RLY

Gauhati, the 30th November 1976

No. S.O.O.No. 73.—Shri N. C. Datta, a permanent S.R.A.S. Section Officer of this office at present working as Asstt. Finance officer on Foreign Service in the Coal Mines Provident Fund Organisation, Asansol has been granted pro-forma promotion in the Audit Officers grade of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- under the next below Rule with effect from 2.8.76 (AN) against the regular promotion of Shri B. C. Duttakhan (vide S.O.O.No. 37 dt. 31.7.76) until further orders.

The 3rd December 1976

No. ADMN/5-16/63/35A.—Shri S. K. Mukherjee, Officiating Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- is appointed in a substantive capacity in the same scale with effect from 6.4.76 (F.N.).

The 15th December 1976

No. Admn/5-16/58/63/35A.—Shri M. M. Shikdar, a permanent member of the subordinate Railway Audit Service

of this office is appointed to officiate as Audit Officer in the (scale Rs. 840—40—1000—EB—40—1200) with effect from 15.12.1976 (F.N.) until further orders.

R. RAJAGOPALAN, Chief Auditor

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
D.G.O.F. HQRS CIVIL SERVICE

Calcutta, the 5th January 1977

No. 1/77/G.—The D.G.O.F. is pleased to appoint the under-mentioned Permit. Asstt./Offg. Asstt. to the grade of Assistant Staff Officer (Class II Gazetted) in an offg. capacity on ad-hoc basis for the period indicated against each:—

- (1) Shri Prabhat Chandra Nath from 5th December 1970 to 31st March 1971
- (2) Shri Narayan Gangopadhyay from 4th May 1970 to 25th July 1970

M. P. R. PILLAI, Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF STEEL & MINES
DEPARTMENT OF MINES
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 3rd January 1977

No. 2181(CNM)(VMN)/19B.—The following Assistant Chemists of Geological Survey of India are released from the services in the Geological Survey of India with effect from the dates shown against each for joining their new appointment as Chemist in Mineral Exploration Corporation Limited :—

1. Shri C. N. Murthy---	6.9.1976 (AN)
2. Shri V. M. Niyogi	6.9.1976 (AN)

No. 2222(BK)/19A.—Shri B. Kanishkan, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 18th October, 1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN, Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
(STORE I SECTION)

New Delhi, the 14th December 1976

No. A.24012/3/76SI.—On attaining the age of superannuation, Dr S. K. Guha relinquished the charge of the post of D.A.D.G. (MS), Govt. Medical Store Depot, Bombay on the forenoon of 1st November, 1976.

SANGAT SINGH, Dy. Director Administration (Stores)

New Delhi, the 7th January 1977

No. A.31014/11/76(CHEB)Adm.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. R. Mehta and Shri P. S. Bawa in a substantive capacity to the permanent posts of Health Education Officer (Field Study Demonstration Centre) in the Central Health Education Bureau, 9—436GI/76

Directorate General of Health Services with effect from the 29th June, 1976.

S. I. KUTHIALA, Deputy Director Administration (O&M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 23rd December 1976

No. PPED/3(235)/76-Admn.15324.—Director, Power Projects Engineering Division hereby appoints Shri S. A. Srinivasan, a permanent Lower Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Personnel Officer in the Nuclear Fuel Complex on transfer to the Power Projects Engineering Division as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity with effect from the forenoon of December 15, 1976 until further orders.

B. V. THATTE, Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 20th December 1976

No. DPS/A/11013/32 (a)/76/Est.18057.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri V. V. Nair, a temporary Storekeeper in the Regional Purchase and Stores Unit of this Directorate at Hyderabad as a temporary Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 18-10-1976 (FN) to 11-2-1977 (AN) vice Shri C. Samuel, Assistant Stores Officer, granted leave.

The 28th December 1976

No. Ref. DPS/A/11013/64/75/Est.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated October 12, 1976. Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Parari Kizhakkodan Radhakrishnan, officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPS), VEC Project at Calcutta as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate for a further period of two months ending February 28, 1977.

V. P. CHOPRA, Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 6th January 1977

No. PAR/18/14/30.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints S/Shri B. Danaiah and K. Venkataraman, Section Officers of the Office of Financial Adviser & Chief Accounts Officer, South Central Railway, as Assistant Accounts Officers in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad on deputation, initially for a period of one year from 12.11.1976 FN.

U. VASUDFA RAO, Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 6th January 1977

No. AMD/1/11/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. P. Sekharan, Assistant Accounts Officer of Madras Atomic Power Projects as Accounts Officer-II in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st November, 1976 until further orders.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 3rd January 1977

No. 10/2(4)/76-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint the undermentioned persons as Engineer SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in a temporary capacity with effect from the date indicated against each and until further orders.

Sl. No.	Name	Date of appointment as Engineer SB.
1.	Shri KV Harsha Babu	17.11.76 (FN)
2.	Shri HS Shankar	18.11.76 (FN)

P. I. U. NAMBIAR, Administrative Officer II
for Chief Engineer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th January 1977

No. E(1)05167.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. Sankaraiya, Professional Assistant, Office of the Director Regional Meteorological Centre, Nagpur, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of FORTYTHREE days with effect from the forenoon of 20-12-1976 to 31-1-1977.

Shri Sankaraiya, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

No. E(1)05195.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Das, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of SIXTY days with effect from the forenoon of 4-12-1976 to 1-2-1977.

Shri Das, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

The 12th January 1977

No. E(I)03740.—On attaining the age of superannuation, Shri D. R. Swaminathan, Assistant Meteorologist, office of the Director Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired from Govt. service with effect from the afternoon of 30th November, 1976.

The 13th January 1977

No. E(I)04321.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. S. V. Rajagopalan, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of FIFTYONE days with effect from the forenoon of 1-1-1977 to 28-2-1977.

Shri Rajagopalan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. N. MANIAN, Meteorologist
for Director General of Observatories

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM
MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun the 6th January 1977

No. 16/256/76-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri

Raj Kumar Sharma as Chief Artist at this Institute, with effect from the forenoon of 4th January 1977 until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR, Kul Sachiv,
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 10th January 1977

C. No. ii(7)5-ET/75/219.—In pursuance of Govt. of India, Department of Revenue and Banking, New Delhi's order no. 39/76 dated 28.9.76 issued under F. No. A.22013/7/76-CERC (Adm) dated 28.9.76 appointing Sri C. D. Tiwari, Administrative Officer of Central Excise Group 'B' of this Collectorate to officiate as Chief Accounts Officer Group 'A' assumed charge as Chief Accounts Officer (Revenue) Central Excise, Hqrs. Office, Patna in the forenoon of 7-10-76 as per this office order dated 12-10-76 issued under endt. C. No. 1(8)1-76/81406-525 dated 13-10-1976.

H. N. SAHU, Collector,
Central Excise : Patna

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 12th January 1977

C. No. 1041/79/76.—Shri K. Balaraman, lately posted as Supdt. of Central Excise Group 'B' in Madras Central Excise Collectorate, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' in the South Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Madras on 15-12-1976 (F.N.).

S. VENKATARAMAN, Director of Inspection

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior, the 11th January 1977

No. 1.—The following officers are hereby appointed in substantive capacity to the grade of District Opium Officer/Intelligence Officer, Group 'B', in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 revised w.e.f. 1-1-73 to Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against each:—

Sl. No.	Name and Designation	Date from which confirmed.	Post against which confirmed
1.	Shri S. K. Ghoshal, Divisional Opium Officer, Kota I.	1-10-66	One of the posts sanctioned vide Ministry of Finance (Dept. of Revenue & Insurance)'s F. No. 7/3/65-Ad. IV dated 24-7-67.
2.	Shri M. S. Bansal, Intelligence Officer, Gwalior.	18-10-67	Vice Shri L. N. Butwal retired.
3.	Shri D. D. Sharma, Intelligence Officer, Gwalior.	1-10-72	Post sanctioned vide Ministry of Finance (Dept. of Revenue & Insurance)'s F. No. A. 11012/7/73-Ad. IV dated 7-5-74.
4.	Shri B. Tirath, District Opium Officer, Chittorgarh I.	1-10-73	Against posts sanctioned vide Ministry of Finance (Dept. of Revenue & Insurance)'s F. No. A. 11012/7/73-Ad. IV dated 7-5-74.
5.	Shri Gorakh Nath, Superintendent (Ex.), Ghazipur.	1-10-73	Against posts sanctioned vide Ministry of Finance (Dept. of Revenue & Insurance)'s F. No. A. 11012/7/73-Ad. IV dated 7-5-74.

No. 2.—The following officers are hereby appointed, in substantive capacity, to the grade of Asstt. Chief Accounts Officer/Administrative Officer, Group B, in the scale of Rs 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 revised with effect from 1-1-73 to Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates shown against each:—

Sl. No.	Name & Designation	Date from which confirmed	Post against which confirmed
1.	Shri S. K. Ram, Chief Accounts Officer.	7-5-70	Against the post sanctioned vide Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) F. No. 7-3-65 -Ad. IV, dated 24-7-67.
2.	Shri R. P. Tyagi, Administrative Officer.	1-8-74	Against the post sanctioned vide Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) F. No. A 11012-5/74-Ad. IV dated 5-4-75.
3.	Shri K. V. Mani, Administrative Officer.	1-8-75	Against the post sanctioned vide Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) F. No. A 11012/5/75-Ad. IV dated 9-2-76.

A. SHANKER,
Narcotics Commissioner of India.

MINISTRY OF ENERGY
(DEPARTMENT OF POWER)
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER
LOKTAK HYDRO ELECTRIC PROJECT
MANIPUR

Komkeirap-795124, the 1st June 1976

No. CE/LOK/1/188/75/4671-84.—The Chief Engineer, Loktak Hydro Electric Project, Manipur appoints Shri Ashit Chandra Chakraborty, Section Officer, Office of the Accountant General, Assam, Meghalaya, Mizoram and Arunachal Pradesh, as Accounts Officer, Loktak Hydro Electric Project Manipur in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 3rd March, 1976 until further orders.

S. N. AGNIHOTRI, Chief Engineer
Loktak Hydro Electric Project, Manipur

BADARPUR THERMAL POWER PROJECT

New Delhi, the 10th January 1977

No. BTP/1/103/76.—Shri Chaman Lal, an Inspector of Delhi Police was appointed as Security Officer on deputation basis in the Badarpur Thermal Power Project in the pay Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 1.12.1976 until further orders.

No. BTP/1/95/76.—Shri Baldev Singh Gill, a Sub-Inspector of Delhi Police, and on deputation as Assistant Security Officer in the Badarpur Thermal Power Project was appointed as Security Officer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of 31-7-1976.

2. Shri B. S. Gill relinquished the charge of the post of Security Officer, Badarpur Thermal Power Project in the forenoon of 1.12.1976.

L. R. SURI, Chief Project Engineer

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 4th January 1977

No. A-12017/5/76-Adm.V.—In continuation of this Commission Notification No. A-12017/5/76-Adm. V dated 7-5-1976, the Chairman, Central Water Commission is hereby appoints Shri A. T. Das, Research Assistant (Chemistry) in the Central Water Commission in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a purely temporary and *ad hoc* basis, for a further period from the forenoon of 7-10-1976 to 28-2-1977 or till Shri D. K. Sundd, the regular officer in the grade becomes available whichever is earlier.

The 1st January 1977

No. A-19012/603/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri P. K. Gangadharan, Supervisor as Assistant Engineer in the Central Water Commission, on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 6-10-1976 (F.N.) until further orders.

Shri P. K. Gangadharan assumed charge of the office of the Assistant Engineer, Andaman Investigation Sub-Division No. I, Nimbudara under Investigation Circle No. I, Faridabad with effect from the above date and time.

The 7th January 1977

No. A-19012/598/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Smt. Ramani Roy, Supervisor as Assistant Engineer in the Central Water Commission, on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 8-11-1976 (F.N.) until further orders.

Smt. Ramani Roy assumed charge of the office of the Assistant Engineer, Eastern Gauging Sub-Division, Bhubaneswar under Central Discharge Circle, Hyderabad with effect from the above date and time.

JASWANT SINGH Under Secy.
for Chairman, C.W. Commission

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE
(PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 4th January 1977

No. E/55/III/94Pt.III(0).—The following Junior Scale Officers of the Civil Engineering Department are confirmed in the Senior Scale with effect from the date mentioned against each :

Sl. No., Name of officers & Date from which confirmed.

1. Shri M. R. Chakraborty—10-3-1976.
2. Shri Y. G. Patwardhan—10-3-1976.
3. Shri R. Balasubramanian—10-3-1976.
4. Shri S. H. R. Krishna Rao—10-4-1976.
5. Shri S. K. Gupta—20-4-1976.
6. Shri P. L. Roy Chowdhury—1-9-1976.

G. H. KESWANI, General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
 (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
 COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956,
 and
 of Kanaka Chit Funds Private Limited*

Cochin, the 31st December 1976

No. 1768/Liq.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956, that Kanaka Chit Funds Private Limited has been ordered to be wound up by an order dated 13-6-1975 in C.P. No. 1/75 passed by the High Court of Kerala and that the Official Liquidator attached to the High Court of Kerala has been appointed as the Official Liquidator of the company.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
 Malayalarajyam Private Limited*

Cochin, the 31st December 1976

No. 1824/Liq.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956, that Malayalarajyam Private Limited has been ordered to be wound up by a order dated 15-9-1976 in C.P. No. 5/1976 passed by the High Court of Kerala and that the Official Liquidator attached to the High Court of Kerala has been appointed as the Official Liquidator of the company.

P. S. ANWAR
 Registrar of Companies,
 Kerala

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s Auto Agrics (India) Private Limited*

Jaipur, the 4th January 1977

No. Stat/940.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Auto Agrics (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 Quality Auto Products Private Limited*

Jaipur, the 1st January 1977

No. Stat/1215.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Quality Auto Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. Mincorp Private Limited, c/o Gangwal Park, Jaipur*

Jaipur, the 4th January 1977

No. Stat/1106.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mincorp Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL
 Registrar of Companies, Rajasthan, Jaipur

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
 M/s. P.I.C. (India) Private Limited*

Bombay, the 11th January 1977

No. 5663/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the P.I.C. (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
 Addl. Registrar of Companies,
 Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. Lalitha Kala Films Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 790/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Lalitha Kala Films Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. Lovely Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 1850/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Lovely Chit Funds Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. Arunothaya Chit Fund Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 1770/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Arunothaya Chit Fund Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. Hufaka Dairy Farming Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 2059/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Hufaka Dairy Farming Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 M/s. Steatite (India) Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 2121/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Steatite (India) Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Dural Exports Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 2464/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Dural Exports Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bhuvaneswari Trading & Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 1722/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bhuvaneswari Trading & Chit Funds Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bhadra Trading and Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 1697/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bhadra Trading and Chit Funds Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Padmaja Chit Funds and Trading Company Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 2142/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Padmaja Chit Funds and Trading Company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. General Credit Corporation Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 588/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. General Credit Corporation Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Aridha Textile Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 1452/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Aridha Textile Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vamana Trading and Chit Fund Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 1848/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Vamana Trading and Chit Fund Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Karnataka Structurals Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 1813/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Karnataka Structurals Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Banco Paints and Chemicals Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 1362/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Banco Paints and Chemicals Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Jewel Films Corporation Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 1427/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Jewel Films Corporation Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Shantilal and Sons Private Ltd.*

Bangalore, the 7th January 1977

No. 1311/560/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Shantilal and Sons Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 31st December 1976

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/IV/76-77/12853.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the following Income-tax District/Circles shall be revived in Delhi-I charge, New Delhi with effect from 31-12-1976.

(1) Company Circle-XX, New Delhi.

No. JUR-DLI/76-77/13003.—In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Insp. Asstt. Commissioners of Income-tax mentioned in Col. 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/circles mentioned in col. 2 of the said Schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distt./Circles
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-I-A, New Delhi.	1. Co. Circles-III, XII, XIII XVI & XX, New Delhi.
	2. Spl. Circles III, IV & IV (Addl.) New Delhi.

This notification shall take effect from 31-12-76.

AVTAR SINGH,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-I, New Delhi.

New Delhi, the 3rd January 1977

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/IV/76-77/13155.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax District/Circles shall be revived to Delhi-II charge, New Delhi with effect.

(1) Company Circle-XVII & XVIII, New Delhi.

JAGDISH CHAND
Commissioner of Income-tax,
Delhi-II, New Delhi.

New Delhi, the 3rd January 1977

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/IV/76-77/13401.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf the Commissioner of Income-tax Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the following income-tax Circle shall be created with effect from 3-1-1977.

"IInd Addl. Transport Circle, New Delhi."

No. JUR-DLI/IV/76-77/13521.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby makes the following amendments in the Schedule appended to this office notification No. JUR-DLI/IV/76-77-6601 dated 29th May, 1976 as amended from time to time.

In the said Schedule the entries in column 2 against Delhi Range-III-B and IInd Addl. Transport Circle, New Delhi shall be substituted by the following:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Districts/Circles
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-III-B, New Delhi.	Distt. III(15), III(16), III(16) Addl. III(18), III(25), III(26), III(27), III(29), III(30), III(32), Survey Circle-III, New Delhi, Transport circle New Delhi and 1st Addl. Transport Circle, IInd Addl. Transport Circle & IIIrd Addl. Survey Circle, New Delhi.

This notification shall take effect from 3-1-77.

No. JUR-DLI/IV/76-77/13761.—In exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous orders/notifications on the subject. The Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi hereby directs that the Income-tax officers mentioned in column 2 of the Schedule herein below shall perform their functions in respect of persons or classes of persons incomes or classes of income or cases or classes of cases specified in column 3 of the said schedule other than the persons or classes or persons, incomes or classes of income and cases or classes of cases, which have been assigned or may hereafter be assigned u/s 127 of the said Act to any other Income-tax officer:

SCHEDULE

Sl. No.	Designation of the ITO	Jurisdiction
1	2	3
1.	Income-tax officer, Transport Circle, New Delhi.	(a) All cases of Companies whose names begin with alphabets A to L (both inclusive) falling in the jurisdiction of Transport Circle, New Delhi.
		(b) Directors of the Companies at (a) above.
2.	Income-tax officer, 1st Addl. Transport Circle, New Delhi.	(c) All cases of the persons falling in the jurisdiction of Transport Circle Other than those included in (a) and (b) above whose names begin with any of the alphabets from A to G (both inclusive).
		(d) All persons being partners of firms falling in item (c) above.
3.	Income-tax Officer, 2nd Addl. Transport Circle, New Delhi.	(a) All cases of the persons falling in the jurisdiction of Transport Circle New Delhi (other than Companies and Directors thereof falling in the jurisdiction of Transport Circle & 2nd Addl. Transport Circle) whose names begin with alphabets O to Z (both inclusive).
		(b) All persons being partners of firms falling in item (a) above.
3.	Income-tax Officer, 2nd Addl. Transport Circle, New Delhi.	(a) All cases of companies whose names begin with alphabets M to Z (both inclusive) falling in the jurisdiction of Transport Circle, New Delhi.
		(b) Directors of companies at (a) above.
3.	Income-tax Officer, 2nd Addl. Transport Circle, New Delhi.	(c) All cases of the persons falling in the jurisdiction of Transport Circle other than those included in (a) & (b) above whose names begin with any of the alphabets from H to N (both inclusive).
		(d) All persons being partners of firms falling in item (c) above.

This notification shall take effect from 3-1-1977.

N. S. RAGHAVAN,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-IV, New Delhi.

Cochin-682016, the 29th November 1976

INCOME-TAX

1. Sl. No. 2 in Col. 4, add "Survey Circle, Ernakulam" as item No. 6.

C. No. 1(12)/A/GL/76-77.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the IT Act, 1961 (43 of 1961) I, the Commissioner of Income-tax, Kerala I, Ernakulam hereby orders that the following amendments to this office notification even number dated 6-8-74 be made with effect from 16-11-1976.

P. S. SUBRAMANYAN
Commissioner of Income-tax,
Kerala-I.

FORM ITNS

(1) Shri Satish Kumar s/o Shri Lakhmi Chand, R/o Quarter No. 442/R, Model Town, Panipat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Bhagirathi Devi w/o Sh. Raghunath Lal, R/o Quarter No. 100, Gandhi Colony, Muzaffarnagar (U.P.).
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 10th January 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. PNP/10/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4 measuring 498.5 square yards (Scheme No. 16) situated at Asandh Road, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 measuring 498.5 Sq. Yds. (Scheme No. 16) situated on Asandh Road, Panipat.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1060 of May, 1976 of the Registering Authority, Panipat.).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1977.
Seal :

FORM JTNS

(1) Shri Dwarka Nath Zutshi s/o Pt. Shri Kanth Zutshi r/o Qr. No. 402 Lancere Road, Mall Road, Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 13th January 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/1231/76-77.—Whereas, I, M. S. GOELA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

A-28 situated at Swaran Singh Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in May, 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

10—436GI/76

(2) Shri Rajesh Kumar Gupta and Sh. Anil Kumar Gupta sons of Shri Shyam Nath r/o 18, Bungalow Road, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold residential plot bearing No. 28 measuring 300 sq. yds. in Block A on Swaran Singh Road, Adarsh Nagar Colony, Delhi & bounded as under :—

North : Swaran Singh Road 30' wide.

South : Lane 15'.

East : Plot No. 30.

West : Plot No. 26.

M. S. GOELA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 13-1-1977

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Om Narain s/o Sh. Radhka Narain, r/o G-3/5, Model Town, Delhi-9.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

(2) Shri Kalyan Singh s/o S. Tara Singh, r/o E-4, Model Town, Delhi.
(Transferee)

(3) 1. M/s. Ahuja General Store, 2. Smt. Chander Mohini, 3. Sh. Anant Singh, 4. S. Kulwant Singh prop. of Modern Store.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 13th January 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/1232/76-77.—Whereas, I, M. S. GOELA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-14/45 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storied house built on plot No. 45 in Block F-14 measuring 233.1/3 sq. yds. situated in the colony known as Model Town, Delhi and bounded as under:

North: House No. F-14/46.

South: House on plot No. F-14/44.

East: Road.

West: Lawn.

M. S. GOELA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1977.

Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Mangti Devi w/o Sh. Murari Lal, 21-F, Chitragupta Road, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 13th January 1977

Ref. No. IAC/Acq.II/1230/76-77.—Whereas, I, M. S. GOELA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 783/18, Plot No. 237 situated at North Gandhi Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Dhan Pal s/o Shri Roop Chand Jain, r/o 783/18, Plot No. 237 Gali Durga, North Gandhi Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land measuring 193.5 sq. yds. bearing Municipal No. 783/18, Plot No. 237 situated in North Gandhi Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi and bounded as under:—

North : Built House No. 783/19.

South : Built House No. 783/17.

East : Street named Gali Durga.

West : Built up property.

M. S. GOELA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhola Ram s/o Gobind Ram Saluja R/o Sadabat Gate, Hathras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th January 1977

Ref. No. Acq./318/Hathras/76-77/29.—Whereas, 1, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hathras on 25-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Luxmi Narain Yadav s/o Sri Gopal Dass R/o Mursan Gate, Hathras.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Bhagwat Shyam Cotton Mills, (1/8th Share) situated at Mursan Gate, Hathras, Distt., Aligarh, transferred for an apparent consideration for Rs. 32,500/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhola Ram s/o Gobind Ram Saluja R/o Sada bad Gate, Hathras.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th January 1977

Ref. No. Acq./319/Hathras/76-77/53.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 25-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Bhagwat Shyam Cotton Mills, (1/8th share) situated at Mursan Gate, Hathras, Distt. Aligarh, transferred for an apparent consideration for Rs. 32,500/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Satyapal Fawada, Smt. Tara Fawada,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Vendee

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Personal.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Lucknow, the 10th January 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. 10-O/76-77/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 17-D-1, D-2, situated at Rudrapur Teh. Kichha, Distt. Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 11-5-76

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 17-D-1, D-2 situated at Rudrapur Tehsil Kichha, Distt. Nainital.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-77.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shanti Swarup Johri, Purshottam Swarup Johri, Smt. Rajeshwari Devi, Kamal Raj Anand, Virendra Swarup Johri, Narendra Swarup Johri, Vidya Swarup Johri, Smt. Shyama Devi, Sri Chandra Kumar Johri.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Narendra Nath Misra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Self.

[Person(s) in occupation of the property]

Lucknow, the 10th January 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 22-N/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Moh. Takhan, Distt. Pilibhit (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pilibhit on 27-5-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 houses situated at Moh. Takhan, Distt. Pilibhit.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-1-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Khillu

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balla

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Lucknow, the 10th January 1977

Ref. No. 75-B/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land Khata No. 31, Khait No. 150/213 etc. total 13 Bigha situated at Vill. Nagla, Nainsukh Parg Dadri, Distt. Bulandshahr (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shikenderabad on 15-5-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 Bigha situated at Vill. Nagla Nainsukh Parg Dadri, Distt. Bulandshahr.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-1-77.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vinay Kumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sharda Rani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th January 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 139-S(B)/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi situated at Moh. Civil Lines, Distt. Bijnore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bijnore on 31-5-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Single storeyed Kothi situated at Civil Lines, Bijnore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
11—436GI/76

Date : 10-1-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Durgesh Nandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sharda Rani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th January 1977

Ref. No. 179-S(A)/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi situated at Moh. Civil Lines, Distt. Bijnore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bijnore on 31-5-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A single storeyed Kothi situated at Moh. Civil Lines, Distt. Bijnore.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-1-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Y. S. C. Konda Reddy, S/o Venkata Reddy, R/o Rajavedigari Street, Pulivendla, Cuddappa Distt.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Y. S. Bharathi Reddy, W/o Jangireddy
2. Smt. Y. S. Vijayalakshmi, W/o Rajasekhar Reddy,
3. Smt. Y. Sowbhagyalakshmi, W/o Vevekananda Reddy, all residing at Pulivendla Cuddappa, Dist.

(Transferor)

*(3) District Agricultural Officer, Cuddappa. (Occupation of One godown) at Bakarapuram, Village, Pulivendla-Tq.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Godowns, Factory buildings, Office Buildings, residential buildings, servants quarters and other Super structures, situated in Bakarapuram, Village, of Pulivendla-Tq. Cuddappa, Dist. and sold under document No. 804/76 registered in the office of the Sub-Registrar Pulivendla, S. No. 27/3 Acrs. 3.74 cents out of this 364 cents or 1.466 hectares.

Boundaries :

East : Kadiri Muddanur Road.
South : Transferor's land.
West : Venkatapuram Road.
North : Venkatapuram Road.

The following items are located in the above land and subject matter of acquisition proceedings.

1. Factory Main Building.
2. Huskroom.
3. Godown.
4. Godown.
5. Office Room.
6. Dwelling House.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-1-1977.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 11th January 1977

Ref. No. RAC. No. 210/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 27/3, situated at Bakarapuram, Pulivendla, Tq., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pulivendla on 17-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th January 1977

Ref. No. RAC. No. 211/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-7-637/6 situated at Station Road, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 10-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Lakshmi Bai, W/o Madanlal Agarwal, and Leela Bai, W/o Shankarlal Agarwal, H. No. 15-1-1-Osmangunj, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Raghuvir Singh S/o Ganesh Singh, Station Road Nizamabad, C/o Vijay Photo Stores, Station Road, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Door No. 5-7-637/6 situated at Station Road, Nizamabad. Sold under document No. 611/76 dated 10th May 1976 in the office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Lakshmi Bai W/o Madanlal Agarwal, 2. Smt. Leela Bai, W/o Shankarlal Agarwal, both residing at 15-1-1, at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th January 1977

Ref. No. RAC. No. 212/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-7-637/7 situated at Station Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 10-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri Raghveer Singh, S/o Ganesh Singh, C/o Vijaya Photo studio, Station Road Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Door No. 5-7-637/7 situated at Station Road, Nizamabad, sold under document No. 612/76 in the Office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th January 1977

Ref. No. RAC. No. 213/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-7-637/9 situated at Station Road, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 10-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Lakshmi Bai W/o Madanlal Agarwal, 2. Smt. Leela Bai, W/o Shankarlal Agarwal, both residing at 15-1-1, at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Prakash Kumar, S/o Narbheram Thakkar, C/o M/s. Deepak Traders, Station Road, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property door No 5-7-637/9 situated at Station Road Nizamabad, sold under document No. 613/76 in the Office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Lakshmi Bai W/o Madanlal Agarwal, 2. Smt. Leela Bai, W/o Shankarlal Agarwal, both residing at 15-1-1, at Osmangunj, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Shankarlal Bajaj, Prop. Vijaya Readymade & Cutpiece Centre, Nizamabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th January 1977

Ref. No. RAC. No. 214/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-7-637/8 situated at Station Road, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 10-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Door No. 5-7-637/8 situated at Station Road, Nizamabad, sold under document No. 614/76 in the office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Smt. Lakshmi Bai W/o Madanlal Agarwal, 2. Smt. Leela Bai, W/o Shankarlal Agarwal, both residing at 15-1-1, at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Battu Narayana S/o Chandriah, C/o, M/s. Bathu-Chandriah, Co., Station Road, Nizamabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th January 1977

Ref. No. RAC. No. 215/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-7-637/10 situated at Station Road, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 10-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property door No. 5-7-637/10 situated at Station Road, Nizamabad, sold under Document No. 615/76 in the office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-1-1977.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Joychand Lal Lahoty, S/o late Manmall Lahoty, Kedar Road, Gauhati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sita Ram Maheshwari, S/o Late Murlidhar Maheshwari Babupatty, Sibsagar Town.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG.

Shillong, the 4th January 1977

Ref. No. A-127/SIB/76-77/1144-53.—Whereas, I,
EGBERT SINGH
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
 referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
 immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 2615 P.P. No. 836 situated at Sibsagar Town, Mouza Nagarmahal, P.S. Sub Registry Office and District, Sibsagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sibsagar on 16-8-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—436GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring one bigha 1 katta 16 lechas covered by Dag No. 2615 PP. No. 836 at Sibsagar Town, Mouza Nagarmahal P.S., Sub-Registry Office and District Sibsagar under Municipality holding No. 549.

EGBERT SINGH.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Shillong.

Date : 4-1-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. P. Kalyanikutty Amma, M. C. No. 109, Kanakalayam Bhavan, Quilon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri A. Jesudas, Playback Singer, 54, Park View Road
Raja Annamalaipuram, Srinivas Avenue, Madras.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M. G.
ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-6820-16.

Cochin-6820 16, the 10th January 1977

Ref. L.C. No. 110/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRA-CHODAN NAIR, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. as per schedule situated at Trivandrum Corporation, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sasthamangalam on 26-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

14 acres 17 sq. meters of land with building No. 14/276 in Anchamadai Village Sy. No. 468, sub. division 7-8-11.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

S. N. CHANDRA-CHODAN NAIR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. K. Ummer Palackal Puthiyaveettil, Kattoor
(By agent P. K. Pokker, Kattoor).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Sankaranarayanan
(ii) Mohanan
(iii) Bhushanam
(iv) Lalu (Minor—by guardian Sankaranarayanan).
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M. G.
ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-6820-16.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. L.C. No. 111/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRA-CHOODAN NAIR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. Nos. as per schedule situated at Kattoor Village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kattoor on 10-5-1976,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

49 cents of land with buildings in Sy. No. 920/13 in Kattoor village.

S. N. CHANDRA-CHOODAN NAIR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : -10-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M. G.
ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-6820-16.

Cochin-6820 16, the 12th January 1977

Ref. L.C. No. 112/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRA-CHOO DAN NAIR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Trichur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ollukkara on 7-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) S/Shri Antony, (2) Varkey, (3) Paul, (4) David (5) Thomas, (6) Francis, Fathima Nagar, Kizhakkumpattu kara, Trichur.

(Transferor)

(2) (1) M. R. Antony, (2) Francis (3) Rappai, (4) George, (5) David, (6) Thomas, Moyalan House, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Acres 26 cents of land with buildings in Sy. No. 624/2 of Marathakkara desom in Trichur village.

S. N. CHANDRA-CHOO DAN NAIR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 12-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Safia Beevi, Kandamchalil, Quilon.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M. G.
ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-6820-16.

Cochin-6820 16, the 13th January 1977

Ref. L.C. No. 113/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRA-CHOODAN NAIR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the **immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.**

Sy. No. as per schedule situated at Vadakkevila Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Eravipuram on 5-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri A. Yoonus Kunju, Cashew Exporter Shajhan Manzil, Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 acres of land with Cashew factory buildings in Sy. No. 3049 & 3050 of Vadakkevila village in Quilon District.

S. N. CHANDRA-CHOODAN NAIR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 13-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pranab Kumar Bhattacharjee, 11/B, Sambhu Babu Lane, Calcutta-14.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gouranga Pada Talukdar 11/1 Netaji Nagar, Calcutta-40.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Calcutta, the 10th January 1977

Ref. No. 366/Acq.R-III/76-77/Cal.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 68 F, situated at Maharaja Tagore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 18-6-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 2 cottahs 8 chittucks of land together with a two storied building at 68F, Maharaja Tagore Road under P. S. Jadavpur registered under deed No. 1984 of 1976.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-1-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Smt. P. V. Jayalakshmi Devi, W/o. late Dr. P. V. Radhakrishna,
 2. Shri P. V. Ramgopal,
 3. Dr. P. V. P. Prasad,
 4. Shri P. V. Vijayakumar
 5. Mrs. A. Padmini Naidu,

} represented by power
of attorney agent &
mother, Smt. P. V.
Jayalakshmi Devi,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th January 1977

Ref. No. 15. MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 87, situated at Club Road, Srinivasa Nagar, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 599/76) in May, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri K. V. Rao alias Sri Kumara Vijaya Rao, No. 87, Club Road, Srinivasa Nagar, Chetput Madras-31.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 2108 sq. ft. with building thereon at door No. 87, (R.S. No. 451/2 & 449/3), Club Road, Srinivasa Nagar, Chetput, Madras-31.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Abdul Shakoor, 191, Angappa Naicken Street, Madras-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. S. Khaja Moinudeen, 190, Angappa Naicken Street Madras-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th January 1977

Ref. No. 17/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 190, situated at Angappa Naicken Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2452/76) on 12-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 2,329 sq. ft. with building thereon at door No. 190, (R.S. No. 4166), Angappa Naicken Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1977.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Ramasami Goundar
 2. Smt. Pavayammal,
 3. Shri Perumayammal,
 4. Shri Kandasamy (minor), }
 5. Shri Sengottayan, } grandsons of Shri
 6. Smt. Chellammal, } Ramasami
 Goundar.
 (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th January 1977

Ref. No. 29/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 241, situated at Kothoor village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Paramathi (Doc. No. 426/76) on MAY 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—436GI/76

(2) Shri Marappan, S/o. Sengodan, P.O. Pranthagam, Chekkupatti Sellipalathan Kadu Via Vella Goundanpatti, Namakkal taluk, Salem district.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 11.48 acres with a well and tiled house in survey No. 241, Kothoor village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th January 1977

Ref. No. 34/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANA-THAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 175 & 176/1, situated at Konganapuram village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Idapadi (Doc. No. 614/76) on May, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Sakthivel, (minor) by Mother & guardian Smt. Paravatham Rangasamy, Sivagami Sadhanam Rangampalayam, Konganapuram village, Salem district.

(Transferor)

(2) Shri P. Duraisamy, (minor) son of Shri C. Perumal, by mother & guardian Smt. Perumayee Ammal, Rangampalayam, Konganapuram village, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in land measuring 9.30 acres (1/3rd=3.10 acres) in survey No. 175 and undivided half share 5 cents) in land measuring 10 cents with well and 5 HP in motor pumpset in survey No. 176/1, Konganapuram village, Salem.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 12-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(1) 1. M/s Thandava Gavundar,
2. Veerabadran,
3. Chinnasamy,
4. Tandavan (minor) by father & guardian Shri
Veerabadran,
5. Karumalai Gavundar
Okkilipatti Kattuvalavu, Kavcripatti village, Salem
District.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Ammal W/o Shri Chella Gavundar
Thannithasanur, Kaveripatti village, Salem district.
(Transferee)

Madras-6, the 12th January 1977

Ref. No. 35/MAY/76-77.—Whereas I, G. RAMANA-THAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

114/1B, situated at Kaveripatti village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Idapadi (Doc. No. 383/76) in May, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.10 acres in R.S. No. 114/1B, Kaveripatti village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1977.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. Sreeranga Chettiar,
Shri Rangasamy,
Shri Balakrishnan, } minors by father & guardian
Shri Subramani, } Shri R. Sreeranga Chettiar,
No. 2 Pilliar Kovil Street, Gugai, Salem-6.

(Transferor)

(2) Shri V. Siddappa Chettiar & Smt. Rukkammal, W/o,
Siddappa Chettiar, No. 30 Cosway Road, Gugai,
Salem-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 12th January 1977

Ref. No. 37/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 47 situated at No. 2 Pilliar Kovil Street, Gugai, Salem-6, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 1363/76) on May 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the application of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1,540 sq. ft. with building thereon at door No. 47 No. 2, Pilliar Kovil Street, Gugai, Salem-6 (with half share in well).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1977.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri C. L. Ravichandran, S/o Shri C. S. Loganathan,
No. 6, Vasu Street, Kilpauk, Madras-600010.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree Lohana Seva Samaj, rep. by Shri Laljee Premji Gambir, Managing Trustee, No. 437, Mint Street, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Ref. No. 64/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27, situated at Kondaliar Street Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Madras (Doc. No. 2602/76) in May, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in land measuring 1 ground and 299 sft. with building thereon at door No. 27 (R.S. No. 391), Kondaliar Street, V.O.C. Nagar, Madras-1.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. K. Rajeswari W/o Shri K. E. Arunachalam,
No. 4, Vasu Street, Kilpauk, Madras-600 010.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(2) Shree Lohana Seva Samaj, rep. by Managing Trustee Shri Lalji Premji Gambit, No. 437, Mint Street, Madras.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 65/MAY/1976-77.—Whereas, I, G. RAMANA-TAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

27, situated at Kondalier street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2603/76) on May 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/4th share in land measuring 1 ground and 299 sft. with building thereon at door No. 27 (R.S. No. 391), Kondalier Street, V.O.C. Nagar, Madras.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri C. L. Ravichandran, No. 6, Vasu Street, Kilpauk, Madras 600 010.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 12th January 1977

Ref. No. 67/MAY/76-77.—Whereas I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27 at Kondalier Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2642/76) on May 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in land measuring 1 ground and 299 sft. with building thereon at door No. 27 (R.S. No. 391), Kondalier Street, V.O.C. Nagar, Madras.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely.

Date : 12-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. K. Rajeswari, W/o Shri K. E. Arunachalam,
No. 4, Vasu Street, Kilpauk Madras 600 010.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 12th January 1977

Ref. No. 68/MAY/76-77.—Whereas, I. G. RAMANA-THAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27 at Kondalier Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2643/76) on May, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share, in land measuring 1 ground 299 sft. with building thereon at door No. 27 Kondalier Street, (R.S. No. 391), V.O.C. Nagar, Madras.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Saraswathi Dhanakoti, W/o. Shri A. B. Dhanakoti Mudaliar 2/1, Brahadambal Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Keyram Hotels (P) Ltd., A-79, Kilpauk Garden Colony, Madras 600 010.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6

Madras-6, the 12th January 1977

Ref. No. 70/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1, situated at Harrington Road, Chetput, Madras-31, situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2724/76) on 10-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
14—436GI/76

(3) Caltex (India) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 13 grounds and 348 sq. ft. at door No. 1 (R.S. No. 355), Harrington Road, Chetput, Madras-31.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 12-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th January 1977.

Ref. No. 30/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

67/1 & 97/1, situated at Nanjai Edayar village, Namakkal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Velur (Doc. No. 76/76) on 14-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sithalakshmi Achi, W/o. Shri Palaniappa Chettiar, No. 8, Sid Sabesan Street, Devakottai Ramnad district.

(Transferor)

(2) Shri K. Murugesan, S/o. M. V. Kandasami Kandar, Nanjai Edayar village, Namakkal, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 1.44 acres in Survey No. 61/1 (0.88 acre) and 97/1 (0.56 acres) in Nanjai Edayar village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-1-1977.

Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Thirupurasundari Achi,
W/o Shri Muthia Chettiar,
Devakottai, Ramnad Dt.

(Transferor)

(2) Shri K. Murogesan,
S/o M. V. Kandasami Kandar,
Nanjai Edayar village,
Namakkal,
Salem District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 13th January 1977

Ref. No. 40/MAY/76-77.—Whereas I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 69/1 & 97/1, situated at Nanjai Edayar village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Velur (Doc. No. 794/76) on May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 1.44 acres in survey No. 69/1 (0.88 acres) and 97/1 (0.56 acres) in Nanjai Edayar village, Namakkal, Salem District.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 13-1-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Namagirilakshmi Achi,
W/o Shri R.M. Arunachalam Chettiar
Devakottai, Ramanad district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 13th January 1977

(2) Shri K. Murugesan,
S/o M. V. Kandasami Kandar,
Nanjai Edayar village
Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 34/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 69/1 & 2 & 97/1, situated at Nanjai Edayar village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur (Doc. No. 912/96) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1.44 acres in survey No. 69/1 (0.16 acre), 69/2 (0.72 acre) and 97/1 (0.56 acre) in Nanjai Edayar village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 13-1-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 13th January 1977

Ref. No. 61/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2, situated at North Mada Church Street, Royapuram, Madras-13

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 2569/76) on May 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohamed Adam Sait
14, Marshalls Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) 1. M/s. P. C. Surana,
No. 38, Mint St., Madras-1.
2. M/s. J. S. Jain,
No. 2, Mulla Sahib St. Madras-1.
3. M/s. L. C. Surana,
No. 358, Mint Street, Madras-1.

(Transferee)

(3) 1. Shri S. G. Hartison.
2. Shri Normal CHIFFORD.
3. Shri J. BALLARD.
4. Shri K. RAVINDRAN.
5. M/s. P. Devarajulu Naidu and Son.
6. M/s. P. Devarajulu Naid and Son.
7. Mr. J. Simon.
8. Mr. G. S. Panthasarathy.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 grounds and 1265 sft. with building thereon at door No. 2, North Mada Church Street, Madras-13 (R.S. No. 485).

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date, 13-1 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. M. S. Abdul Gafoor,
Middle Street, Kilakarai,
Ramanad district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

(2) Shri Ahamed Syed Mohamed,
S/o M. V. S. Ahamed,
Easa Thandial Street, Kilakarai,
Ramanad district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 13th January 1977

Ref. No. 73/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

234 situated at Kilakarai village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kilakarai (Doc. No. 669/76) on May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Dry lands measuring 5 acres 75 cents in survey No. 234, Kilakarai village, Ramanad district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri R. Jayaraman
Flat No. 2, Sangeetha Apartments
Plot No. 588
Sion-Trombay Road,
Chembur, Bombay-71.
(Represented by General Power Agent :
Shri M. Sanubasivam Aiyer).
(Transferor)

(2) Shri L. R. M. Arunachalam Chettiar,
S/o Shri AR. L. Ramanathan Chettiar
Lakshmpuram,
Kothamangalam
Karaikudi Taluk (Ramnad Dist.)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

Ref. No. F. 3592/76-77.—Whereas S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19, Srinagar Colony,
situated at Kumbakonam
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kumbakonam (Doc. No. 682/76) on 10-5-1976
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8505 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 19, Srinagar Colony Kumbakonam (Doc. No. 682—SRO Kumbakonam).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 13-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 13th January 1977

Ref. No. F. 5227-76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

40 First Main Road,
situated at Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Saidapet, Madras (Doc. No. 1133/76) on May 1976 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely :—

(1) 1. Shri R. Jaganath;
2. J. Mohan Ram (Minor);
3. J. Murali Krishnan (Minor);
4. J. Sangith Kumar (Minor);
Minors represented by their father and natural guardian Sri R. Jaganath;
'Shanti'
A1/9 Flat No. 2
22nd Cross Street,
Madras-90.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Ammal;
Shri K. J. Sridharan;
K. J. Chkrapathy;
K. J. Suresh (Minor)
Minor represented by mother and guardian
Smt. Lakshmi Ammal
No. 40, First Main Road, Gandhinagar,
Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 grounds and 1723 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 40, First Main Road, Gandhi Nagar, Adyar, Madras-20 (Plot No. 52, O.S. No. 9, T. S. No. 24, Block No. 30).

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 13-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 11th January 1977

Ref. No. Acq. File No. 376.—Whereas J. B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21/41-4-3/3, situated at Thadithota, Rajahmundry and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 6-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
13—436GI/76

(1) Viswabharathi Cisticile Company
Prop : Garapati Veeravenkatasatyanarayana,
S/o Ramamurtu,
Thadithota,
Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Bhavani Rollings Mills,
Represented by Garapati Veeraju,
S/o Veeraju,
Thadithota,
Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1283/76 of the S.R.O. Rajahmundry registered during the fortnight ended 15-5-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 11-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 11th January 1977

Ref. No. Acq. File No. 377.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22B-1-25, situated at 15th Ward, Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Eluru on 1-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Cherukupalli Venkata Gopalakrishnamurty
2. Ch. Krishnamohan
3. Ch. Sreenivasamurty, M/G father Venkata Gopalakrishnamurty, Lecturer in English, Gandhi Medical College, Hyderabad.
4. Ch. Prabhakar, M/G father Venkata Gopalakrishnamurty, Lecturer in English, Gandhi Medical College, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Shri Nandi Sivaramakrishna
S/o Sivaramakrishna,
M/G (Grand mother) Sanku Satyavatamma,
W/o Ramayya,
Eluru.

(Transferee)

- (3) 1. Chodey Krishnamurty, Eluru.
2. Maddula Haranatha Baba, Eluru.
3. Gollapudi Raman, Eluru.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 1107/76 of the Sub-Registrar, Eluru registered during the fortnight ended on 15-5-1976.

B. M. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 11-1-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Jambu Rout,
W/o Late Giridhari Rout.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ananda Rath,
S/o Late Pitambar Rath.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHUBANESHWAR

Bhubaneswar, the 15th January 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 35/76-77/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 7, situated at Berhampur town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Berhampur town on 9-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The land with building located at Raja Street, Berhampur town under the jurisdiction of Sub-Registrar, Berhampur town and registered by sale document No. 930 dated 9-4-76.

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Pratima Singh,
w/o Sri Nabin Kishore Pd. Singh
At-Sabe Kothi, Kadam Kuan, Patna.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jagdish Pd.
S/o Sri Nagina Saw of Manjhi Hasnali Bazar,
P. S. Manchi,
Dist. Saran.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Patna, the 20th January 1977

Ref. No. III-236/Acq/76-77/3104.—Whereas, I. S. S. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 9693/9693/4A situated at Dahiawan, Town Chapra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chapra on 26-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House on a plot of land 6 Katha 12 Dhur at Dahiawan P.S. Town Chapra, W.No. 4, Cr. No. 16 H. No. 9693/9693/4A vide deed No. 3883 dated 26-4-1976.

S. S. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-1-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. C. Curiyn S/o Sri Kripalchok Kuriyn
Village Kora, P. O. & Dist. Hazaribagh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR

Patna, the 20th January 1977

Ref. No. III-235/Acq/76-77/3103.—Whereas, I, S. S. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 298, Plot No. 309, situated at Vill. Kora Hazaribagh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hazaribagh on 15-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Mina Ambasta
w/o Sri Radhe Shyam Ambasta
Village Kora, P.S. & Dt. Hazaribagh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 86 dec. with house on 1250 Sq. ft. in Village Kora, P.S. & Dt. Hazaribagh, H. No. 298 Plot No. 309. *vide* deed No. 6051 dated 15-4-1976.

S. S. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 20-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR

Patna, the 20th January 1977

Ref. No. HI-237/Acq/76-77/3105.—Whereas, I, S. S. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 9693/9693/4A situated at Dahiawar, Chapra Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saran on 26-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Pratima Singh W/o
Sri Nabin Kishore Pd. Singh,
At Sabe Kothi Kadam Kuan, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Birendra Kumar S/o
Sri Jagdish Prasad,
At & P.S. Manjhi
Dt. Saran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on a plot of land 6K. 12 Dhur at Dahiawan P.S. Town Chapra, W.No. 4, Cr. No. 16, H. No. 9693/9693/4A as described in deed No. 3883 dated 26-4-1976.

S. S. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 20-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR

Patna, the 20th January 1977

Ref. No. III-238/Acq/76-77/3106.—Whereas, I, S. S. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 1/A, W. No. 4 situated at Mundichak, Bhagalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 14-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bijoy Kumar Banerjee
So Late Kali Pada Banerjee,
At Patel Babu Road,
P.S. Kotwali, Bhagalpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Dropadi Devi Khandelwal
w/o Sri Om Prakash Khandelwal, of
Mohalla Anand Chikitsalaya Road,
Sujaganj, Bhagalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 3 K. 19 dhur 3 dhurki with house thereon at Mundichak, P.S. Kotwali, Bhagalpur, W. No. 4, Cr. No. 7, H. No. 1/A as described in deed No. 2889 dated 14-4-1976.

S. S. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 20-1-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bijoy Kumar Banerjee
S/o Rati Kali Pada Banerjee,
At Patel Babu Road,
P.S. Kotwali, Bhagalpur.

(Transferors)

(2) Shrimati Dropadi Devi Khandelwal
W/o Sri Om Prakash Khandelwal, of
Mohalla Anand Chikitsalya Road,
Sujaganj, Bhagalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BIHAR

Patna, the 20th January 1977

Ref. No. III-239/Acq/76-77/3107.—Whereas, I, S. S. SINHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 1A, W. No. 4 situated at Mundichak, Bhagalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 14-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 1 K. 10 dhur 11 dhurki with house thereon at Mundichak, P.S. Kotwali, Bhagalpur, W. No. 4, Cr. No. 7 H. No. 1/A as described in deed No. 2892 dated 14-4-1976.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. S. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-1-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Tarlok Nath, Jagdish Chander ss/o Shri Hari Kishan Lal, R/o 159, Model Town, Panipat.
(Transferor)

(2) M/s. Mahajan Woollens Private Ltd. (Proposed)
G. T. Road, Panipat, through Shri Madan Mohan
Mahajan s/o Shri Ram Lal Mahajan, Asandh Road,
Panipat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 13th January 1977

Ref. No. PNP/5/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 33 Kanals 6 Marlas (20147 square yards) situated on G. T. Road, Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in May, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 33 Kanals and 6 Marlas (20147 sq. yds.) comprised in Khewat No. 137, Min Khatoni No. 161,

Min. Khasra No. 59

13,	17—18	23,	24,	31
2	1	2		
0—11	6—8	2—0	8—6	8—0 1—17,
62				
3 Min		4 Min		
2—3		2—0		

and Khewat No. 138, Khatoni No. 162,

Khasra No. 59

14
2—1

situated on G. T. Road, Panipat.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 485 of May, 1976 of the Registering Authority, Panipat.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 13-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Sharda Kumari Devendra Prasad Pande,
R/o Swaminarayan Bagh, Asarva,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 22nd January 1977

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/361.—Whereas, I. R. K. BHALLA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Laxmi Niwas, situated at Mount Abu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abu Road on 20-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mrs. Dhun Naushir Medore
R/o Bella View Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring about 13310 sq. ft. or 1479 sq. yds. with 'Laxmi Niwas' building existing thereon situated at Mount Abu more fully described in the conveyance deed registered by the Sub Registrar, Abu Road at S. No. 84/76 dated 20th April, 1976.

R. K. BHALLA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-1-1977
Seal :